वर्षः 7- अंकः 147, मुंबई, मंगलवार, 1 अगस्त, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ओमकार बिल्डर ने दी सरकार को खुली चुनौती

मेरा काम कोई नहीं बंद करवा सकता

जानू भोयेनगर में बिल्डर का आतंक

मुंबई। किसी शायर ने क्या खूब कहा है- हर शाख पे उल्लू बैठा है, अंजामे गुलिस्तां क्या होगा? लेकिन हम बात यहां किसी उल्लू की नहीं बल्कि ऐसे सरकारी पदाधिकारी की कर रहे हैं जिसने अपने चहेते बिल्डर को फायदा पहुंचाने और इसके एवज में उससे रिश्वत लेकर अपनी जेब गर्म करने के लिए सरकारी आदेश की धज्जियां उडाई और फिर उस सरकारी आदेश पर बिल्डर के साथ थूक डाला।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

अंधेरी पूर्व के होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल में पीलर तोड़कर किया गया अवैध निर्माण

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

रसोई गैस पर सरकार की टेढ़ी नजर

हर महीने बढ़ेंगे एलपीजी के दाम, सब्सिडी होगा खत्म

नई दिल्ली। रसोई गैस इस्तेमाल करने वालों के लिए बुरी खबर है। अब से हर महीने आपकी रसोई गैस (एलपीजी) पर 4 रुपये बढ़ने जा रहे हैं। सरकार की मार्च 2018 तक एलपीजी पर दी जा रही सब्सिडी पूरी तरह खत्म करने की योजना है। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जानकारी दी है कि हर महीने सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम में 4 रुपये की बढ़त करने के लिए कहा जा चुका है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कितने मिलते हैं सब्सिडाइज्ड सिलेंडर : *देश में हर परिवार को सालाना सब्सिडी वाले 12 सिलेंडर मिल सकते हैं, इसके बाद अगर सिलेंडर लेना हो तो वो बाजार भाव पर लेना होगा।*

दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर की कीमत : *दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 477.46 रुपये है और बिना सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 564 रुपये है। यानी अगले महीने से इसमें हर महीने 4 रुपये का इजाफा होगा।*

उत्तराखंड के बाराहोती इलाके में घुसे 200-300 चीनी सैनिक

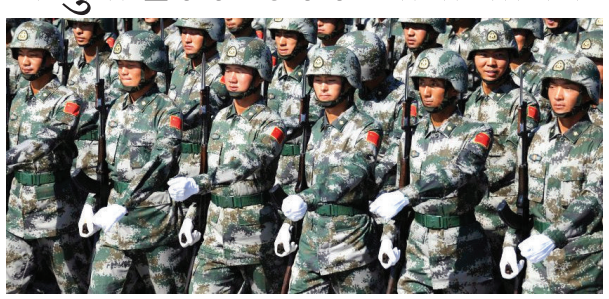

चमोली। डोकलाम में चीन के साथ भारत का सीमा विवाद अभी सुलझ नहीं पाया है, इस बीच उत्तराखंड में चाइनीज सेना की घुसपैठ की खबर आई है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जवानों ने चमोली जिले के बाराहोती में घुसपैठ की है। जानकारी के मुताबिक ये घुसपैठ बीते 26 जुलाई को की गई। बताया जा रहा है कि चाइनीज सेना के जवान करीब 2 घंटे तक भारतीय सीमा में रहे। हालांकि, बाद में आईटीबीपी जवानों के विरोध के बाद चीन की सेना को वापस लौटना पड़ा। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नारों के खिलाफ सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बजवाई तालियां

मुंबई, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष रविवार को तब विषम स्थिति उत्पन्न हो गई जब उनकी सभा में किसानों ने मुख्यमंत्री के विरोध में और बिना किसी शर्त के सभी किसानों के कृषि कर्ज माफ किए जाने के समर्थन में नारे लगाए। किसानों के इस विरोध को दबाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तत्काल एक युक्ति ढूंढ निकाली। उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से जोर-जोर से तालियां बजाने को कहा, लेकिन किसानों की नारेबाजी तब भी जारी रही।

मुख्यमंत्री रविवार को नासिक जिले में प्याज की सबसे बड़ी मंडी कहे जाने वाले लासलगांव में प्याज के लिए बनाए गए गोदाम का उद्घाटन करने गए थे। उनके साथ केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश प्रभु, रक्षा राज्यमंत्री सुभाष भामरे, राज्य के मंत्री गिरीश महाजन और जयकुमार रावल भी उपस्थित भी थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के भाषण के बीच ही सभा में मौजूद कुछ किसान खड़े हो गए और मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी कर संपूर्ण कर्ज माफी की मांग करने लगे। मुख्यमंत्री ने पहले उनसे शांत होने की अपील की, फिर लोगों से तालियां बजवाकर उन्हें शांत करने की कोशिश की।

चेंबूर में गैस लीक से हड़कंप, बिजली सप्लाई व इंटरनेट सेवा रोकी गई

मुंबई, चेंबूर में गैस लीक से हड़कंप, बिजली सप्लाई व इंटरनेट सेवा रोकी गईमुंबई: चेंबूर में गैस लीक से हड़कंप, बिजली सप्लाई व इंटरनेट सेवा रोकी गईमुंबई के चेंबूर इलाके में गैस लीकेज की खबर आई है जिसके बाद वहां हड़कंप मचा हुआ है। पेट्रोल पंप से हुए गैस लीकेज के बाद आसपास के रास्ते बंद कर दिए गए हैं।

मुंबई। मुंबई के चेंबूर इलाके में गैस लीकेज की खबर आई है जिसके बाद वहां हड़कंप मचा हुआ है। पेट्रोल पंप से हुए गैस लीकेज के बाद आसपास के रास्ते बंद कर दिए गए हैं। गैस लीकेज पर काबू पाने के लए मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ी पहुंच चुकी हैं। इसके साथ ही एसडीआरएफ की टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है।

किसी भी बड़े हादसे और अफवाह से बचने के लिए इलाके में इंटरनेट व टीवी केबल सेवा बंद कर दी गई है। साथ ही साथ इलाके में बिजली सप्लाई बंद कर दिया गया है और इलाके में लोगों से कहा गया है कि वे गैस का उपयोग जब तक नहीं कहा जाए ना करें। मामले में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

शिक्षकों के मुद्दे पर पाटील की भूख हड़ताल

मुंबई, शिक्षकों के वेतन सहित अन्य मुद्दों को लेकर शिक्षक विधायक कपिल पाटील सोमवार से भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने पत्र में लिखा है कि शिक्षकों के साथ राज्य में दुर्व्यवहार हो रहा है। अगर सरकार किसानों की तरह शिक्षकों की भी बलि लेना चाहती है, तो उसके लिए सभी शिक्षकों की स्थान पर खुद बलि देने के लिए तैयार हैं। इसलिए वह सोमवार से अनिश्चित भूख हड़ताल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मॉनसून सत्र चल रहा है। इसलिए विधान परिषद में शिक्षकों का मुद्दा उठाने के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा और शिक्षकों को लेकर सरकार की नीति गलत है। इसलिए राज्य में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है। इसमें सुधार के लिए विचार करने की बजाय सरकार ने रात

पाली की स्कूल बंद कर दिया। शिक्षकों का वेतन एक ऐसे बैंक से करने की जबर्दस्ती कर रही है, जिस बैंक पर पहले से ही आरोप है। इसलिए अब समय सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने का समय आ गया है। सरकार जब तक शिक्षकों के हित के लिए निर्णय नहीं लेगी, तब तक उनका भूख हड़ताल जारी रहेगा।

रेरा पंजीकरण आई अब जनता की बारी

मुंबई, रियल इस्टेट रेगुलेटरी ऐक्ट (रेरा) में प्रॉजेक्ट पंजीकरण की 31 जुलाई अंतिम तारीख है। इसके बाद कमान आम ग्राहकों के हाथ में होगी। ग्राहक रेरा की वेबसाइट पर 2 प्रकार की शिकायत कर सकेंगे। पहले उन बिल्डरों के खिलाफ जिन्होंने प्रॉजेक्ट पंजीकरण नहीं कराया है, और उन प्रॉजेक्ट के खिलाफ जिसका रेरा में पंजीकरण किया गया है।

बता दें कि महाराष्ट्र में 1 मई 2017 से रेरा ऐक्ट लागू किया गया। सभी रियल इस्टेट प्रॉजेक्ट, जिसमें लोग रहने नहीं गए हैं और जिसे ओसी नहीं मिली है, उन सबको रेरा के

तहत रजिस्टर कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए बिल्डरों को 31 जुलाई अंतिम तिथि दी गई है। खबर लिखे जाने तक रेरा के तहत महाराष्ट्र में 5500 प्रॉजेक्ट रजिस्टर हो चुके थे, जबकि प्रॉपर्टी एजेंट की संख्या 8500 पहुंच गई है। वहीं रेरा से जुड़े अधिकारियों को प्रॉजेक्ट रजिस्ट्रेशन की संख्या 7000 के पार जाने की उम्मीद है।

इस तरह करें शिकायत

रियल इस्टेट प्रॉजेक्ट जिनका रेरा के तहत पंजीकरण हुआ है, उसमें किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए ग्राहक रेरा की वेबसाइट https://maharerait.mahaonline.gov.in पर शिकायत कर सकते हैं। इस वेबसाइट पर ग्राहक सिर्फ रेरा रजिस्टर प्रॉजेक्ट की ही शिकायत कर सकेंगे। ग्राहक द्वारा की गई शिकायत सीधे चेयरपर्सन मेंबर 1 और चेयरपर्सन मेंबर-2 को रिफर किया जाएगा। इसके बाद शिकायतकर्ता को उनकी शिकायत मिलने के संदर्भ मेल किया जाएगा।

निकाह कर घरवालों से ऐंठता था पैसे, करने वाला था छठी शादी

ठाणे, युवतियों से निकाह कर उनके घरवालों से रुपये ऐंठने वाले मुंब्रा निवासी जलाल नाड़कर और उसकी मां के खिलाफ मुंब्रा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जलाल 5 निकाह कर चुका है और वह छठवां निकाह करने की कोशिश में था। जलाल की पूर्व बीवी के चलते उसका भंडाफोड़ हुआ।

मुंब्रा पुलिस के मुताबिक किस्मत कॉलोनी के सवेरा अपार्टमेंट में रहने वाले जलाल नाड़कर के 5 निकाह हुए थे। वह मुंबई के कुर्ला में रहने वाली युवती के साथ छठा निकाह करने वाला था। जलाल नाड़कर और उसकी मां नईमा नाड़कर ने युवती के घरवालों से पूर्व में किए गए निकाह की बात छिपाई थी। कुर्ला निवासी युवती के साथ जलाल की पिछले दिसंबर माह में मंगनी हुई थी। युवती के घरवालों की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के चलते उन्होंने कुछ माह बाद निकाह करने का निश्चय किया था।

इसी बीच जलाल नाड़कर की एक पूर्व बीवी ने कुर्ला निवासी युवती के घरवालों को फोन कर जलाल के पहले किए गए निकाह की जानकारी दी। जलाल का भंडाफोड़ होने के बाद युवती के घरवालों ने जलाल और उसकी मां के खिलाफ मुंब्रा पुलिस स्टेशन में आईपीसी 420 और 34 के तहत मामला दर्ज किया है। युवती के घरवालों ने आरोप लगाया है कि जलाल ने उनकी बेटी के नाम पर कार लेने और खुद की ट्रैवल एजेंसी में लगाने की झूठी बात उनसे कही और उनसे तीन चेक ले लिए थे। मुंब्रा पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, मंगलवार
1 अगस्त, 2017

तीन साल में 7 हजार बच्चों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार को कुपोषण की जकड़न से उबरने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है। राज्य के आदिवासी बहुल 16 जिलों में बीते तीन साल में 7004 बच्चों की मौत हुई है। मरने वाले बच्चे एक साल तक उम्र के हैं। जबकि बीमारी के कारण 864 माताओं की भी मृत्यु हुई है। प्रदेश सरकार की नवसंजीवनी योजना की रिपोर्ट के अनुसार साल 2014-15 में 3022, साल 2015-16 में 1912 और साल 2016-17 में 2070 बच्चों की मौत हुई है। राज्य की महिला व बाल विकास मंत्री पंकजा मुंडे ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। पंकजा ने बताया कि बालमृत्यु का कारण कुपोषण, बच्चों के वजन में कमी, सांस लेने में परेशानी, न्यूमोनिया जैसी बीमारी के कारण हुए हैं।

पंकजा ने बताया कि साल 2014-15 में 285, साल 2015-16 में 296 और साल 2016-17 में 283 माताओं की मौत हुई है। पंकजा ने कहा कि कुपोषण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पोषण नीति तैयार करके सरकार के पास प्रस्ताव भेजा है जबकि माता मृत्यु को टालने के लिए गर्भवती माताओं की नियमित जांच, जननी सुरक्षा योजना के माध्यम से आहार और दवाइयां उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि आदिवासी इलाकों में कुल 315 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इसमें से सरकारी इमारतों में 274 केंद्र चलाए जा रहे हैं जबकि 45 केंद्रों में नए इमारत का निर्माण कार्य का काम प्रस्तावित है। कांग्रेस सदस्य शरद रणपीसे ने इस संबंध में सवाल पूछा था।

बाल सुधार गृह से 42 बच्चे भाग गए

मुंबई के डोंगरी स्थित बाल सुधार गृह में से 42 बच्चे भाग गए हैं। यह आंकड़ा साल 2014 - 15 से लेकर साल 2016-17 के बीच का है। बाल सुधार गृह में से पलायन करने वाले बच्चों में से 16 बच्चों को वापस लाने में सफलता मिली है। प्रदेश की महिला व बाल विकास मंत्री पंकजा मुंडे ने विधान परिषद में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी है। पंकजा ने बताया कि चिल्ड्रेन एड सोसायटी (माहिम) के माध्यम से बच्चों के भागने के बारे में रिपोर्ट मांगी गई थी। उसके अनुसार यह जानकारी सामने आई है। पंकजा ने कहा कि इस मामले में एक सुरक्षा रक्षक को निलंबित कर दिया गया है। भाजपा के सदस्य प्रवीण दरेकर ने इस बारे में सवाल पूछा था।

कलेक्टर और बीएमसी के सहयोग से नहीं तोड़ा गया अवैध रूम

मुंबई। मानखुर्द पूर्व मंडाला के मातंग ऋषिनगर, 30 फीट रोड, पुलिस चौकी गली, शिवनेरी विद्यालय के सामने स्थित जमीन पर अवैध रूप से मदरसा तथा मंदिर का निर्माण किया गया था। कुछ दिन पहले बीएमसी ने उक्त मंदिर तथा मदरसा को ध्वस्त कर दिया। जिस समय मंदिर मदरसे का निर्माण किया गया था उसी समय कुछ दबंगों ने उक्त अवैध जमीन पर अवैध रूमों का निर्माण किया। लगभग 15 से 20 रूमों का निर्माण किया गया था। बीएमसी ने अतिक्रमण के तहत मंदिर मदरसा को ध्वस्त कर दिया लेकिन अवैध रूप से बने रूमों को ध्वस्त नहीं किया। गौरतलब है कि उन रूमों में लगभग 10 परिवार रहते हैं। स्थानीय रहिवासियों ने यह खुलासा किया कि उक्त जमीन कलेक्टर की जमीन है। जब रहिवासियों ने प्रशासन से अवैध निर्मित रूमों को तोड़ने की बात कही तो प्रशासन ने उसे तोड़ने से इंकार कर दिया। सूत्रों की माने तो प्रशासन के पास उन रूमों के भी कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं। वहीं स्थानीय नगरसेविका ने जब क्षेत्र की दौड़ा किया तो उन्होंने लोगों को यह जरुर आश्वस्त किया कि उक्त जमीन पर अस्पताल का निर्माण करवाया जायेगा। गौरतलब है कि लगभग 40 हजार लोगों की जनसंख्या वाला यह इलाका है। दूर-दराज तक सरकारी अस्पताल नहीं होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों कायह आरोप है कि प्रशासन ने अवैध निर्मित मंदिर मदरसा को ध्वस्त किया लेकिन अवैध निर्मित रूमों को ध्वस्त क्यूं नहीं किया। फिलहाल प्रशासन उन रूमों को तोड़ने से इंकार करती नजर आ रही है। वहीं स्थानीय रहिवासियों की मांग है कि उक्त जमीन पर अवैध रूमों को तोड़कर सरकारी अस्पताल का निर्माण किया जाये। अब देखना यह होगा कि कबतक बीएमसी प्रशासन इनकी मांगों पर पहल करती है।

अंधेरी पूर्व के होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल में पीलर तोड़कर किया गया अवैध निर्माण

कभी भी गिर सकती है पूरी बिल्डिंग

देवेन्द्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

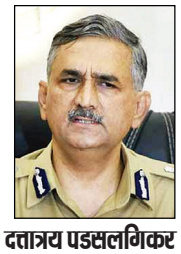

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

मुंबई। पीलरो से की गई छेड़छाड़ के कारण पिछले दिन घाटकोपर में बिल्डिंग गिरने के हादसे में 17 लोग मारे गये थे और दर्जनों घायल हुए थे। इस बात को अभी लोग भूले भी नहीं हैं कि पीलरो से छेड़छाड़ करके किये गये अवैध निर्माण के कारण अंधेरी में भी किसी भीषण दुर्घटना होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। मिली जानकारी के अनुसार अंधेरी पूर्व में बैंक आफॅ बडौदा के पास स्थित इलाइट ऑटो हाउस के समीप होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल, जो 7 कांटिनेटस एक्सप्रेस प्रा. लिमिटेड, 54 ए, फर्स्ट फलोर के पास है, उसमें जमीन अतिक्रमण करके अवैध रूप से 24 कमरों का निर्माण किया गया है। इसी होटल के पीलरों से छेड़छाड़ की गई है। जिस कारण यह इमारत कभी भी गिर सकती है। याद रहे कि ऐसे ही पीलर में छेड़छाड़ के कारण घाटकोपर में पिछले दिन हुए बिल्डिंग हादसे में 17 लोगों के मारे जाने और 50 से अधिक लोगों के घायल होने का मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रीबो 7 सीइपीएल के मालिक मैनेजर द्वारा होटल में बने सभी अवैध 24 कमरों को अपने ग्राहकों को इस्तेमाल करने के लिए देता है। यहां उनके लिए शराब और शबाब का पूरा इंतेजाम रहता है और निर्धारित समय सीमा के बाद भी बीती रात तक उनकी धमाचौकड़ी जारी रहती है। अपको बता दें कि इसके टेरिस पर हुआ निर्माण भी पूरी तरह से अवैध है। यहां न तो लोगों के लिए खुली जगह है और न ही अग्निशमन यत्रों की व्यवस्था। गंदगी को बाहर फेंकने लिए पाईपे तो लगी हैं लेकिन वे सभी बेतरतीब व खुले हैं जिस कारण यहां कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इस होटल का मालिक अपनी निजी कमाई के लिए इसका खुलेआम दुरुपयोग कर रहा है। इसने गाड़ियों की पार्किंग के लिए भी किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ले रखी है और यहां पर बगैर अनुमति के गाड़ियों की पार्किंग की जाती है। जबकि टेरिस का इस्तेमाल पार्टियों के लिए भी किया जाता है जहां लोगों की उपस्थिति की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती। इस कारण वहां जुटी भीड से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस बारे में जब होटल मालिक, संचालक और प्रबंधक से पूछा जाता है तो वे लोग सफाई देने के बदले उल्टे शिकायत कर्ताओं को धमकी और उन्हें परेशान करने की कोशिश की जाती है। यहां तक कि आम सड़क पर अवैध पार्किंग की वजह से होटल मालिक की निजी संपत्ति बन गई है। जो खाद्य वस्तुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधित कर रखा है वे वस्तुए भी इस होटल में ग्राहकों को धडल्ले से परोसी जा रही है। इस होटल के मालिक ने बिजली और पानी का अवैध कनेक्शन भी इन विभाग के अधिकारियों को रिश्वत खिलाकर ले रखा है। लोगों ने इस समाचार पत्र को लिखकर मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त और पुलिस आयुक्त से इस अवैध होटल पर अविलंब कार्रवाई करते हुए इसके मालिक मैनेजर पर धोखाधड़ी व जालसाजी का मामला चलाकर उसपर एम.आर.टी.पी. और भारतीय कानून के तहत दंडित करने की मांग की है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कांग्रेस का संकट

गुजरात में अपने विधायकों को कर्नाटक ले जाकर कांग्रेस भले ही यह प्रचारित करने की कोशिश करे कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि भाजपा उन्हें जबरन अपने पाले में ला रही थी, लेकिन यह सहज नहीं जान पड़ता कि कोई दल किसी अन्य दल के विधायक को जबरदस्ती अपनी पार्टी में ले ले। गुजरात कांग्रेस के जिन विधायकों ने हाल में पार्टी छोड़ी है उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि उन्होंने मजबूरी में ऐसा किया। चुनाव आयोग की ओर से भी अभी तक ऐसा कुछ नहीं कहा गया है कि गुजरात कांग्रेस के विधायकों पर जोर-जबरदस्ती की जा रही है। कांग्रेस इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकती कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान गुजरात में उसके करीब एक दर्जन विधायकों ने राजग प्रत्याशी रामनाथ कोविंद के पक्ष में मतदान किया था। इस संदर्भ में ऐसा कोई दावा हास्यास्पद ही होगा कि यह क्रॉस वोटिंग भाजपा की जोर-जबरदस्ती का नतीजा था। कांग्रेस भले ही खुद को पीड़ित बताए, लेकिन लगता यही है कि आगामी चुनाव के पहले उसके विधायक सुरक्षित ठिकाने की तलाश में हैं और इसी क्रम में वे पार्टी छोड़ रहे हैं अथवा छोड़ने की ताक में हैं। गुजरात कांग्रेस के जिन विधायकों ने अभी तक इस्तीफा दिया है वे सभी शंकर सिंह वाघेला के समर्थक बताए जा रहे हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि वाघेला के पार्टी छोड़ने की चर्चा पिछले लगभग दो माह से हो रही थी। बेहतर हो कि कांग्रेस ही यह बताए कि वह वाघेला को संतुष्ट क्यों नहीं कर सकी? एक तथ्य यह भी है कि गुजरात से रिक्त राज्यसभा सीटों के लिए कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अहमद पटेल को चुनौती देने का काम कांग्रेस छोड़ने वाले बलवंत सिंह राजपूत ने ही किया है। जिस तरह गुजरात के कई कांग्रेसी विधायकों ने रामनाथ कोविंद के पक्ष में मतदान किया था उसी तरह अन्य राज्यों में भी ऐसा हुआ था। कांग्रेस गुजरात में अपनी पार्टी के संकट के लिए भाजपा को तो जिम्मेदार ठहरा सकती है, लेकिन इस तथ्य को ओझल नहीं कर सकती कि वह एक के बाद एक राज्यों में अपना जनाधार तेजी से खोती चली जा रही है। कई ऐसे राज्यों में वह प्रमुख विपक्षी दल भी नहीं रह गई है जो कभी उसके गढ़ हुआ करते थे। बिहार में महागठबंधन टूटने के साथ कांग्रेस एक और राज्य की सत्ता में अपनी भागीदारी खो बैठी। वह इससे बच सकती थी यदि उसके नेतृत्व और विशेष रूप से राहुल गांधी की ओर से तेजस्वी यादव को इस्तीफे के लिए राजी कर लिया जाता। यदि ऐसा होता तो कम से कम फिलहाल नीतीश कुमार के समक्ष महागठबंधन से बाहर निकलने का औचित्य नहीं रह जाता। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इसके आसार ज्यादा दिख रहे हैं कि आने वाले समय में कांग्रेस राजनीतिक रूप से और अधिक कमजोर होगी।

सुविचार

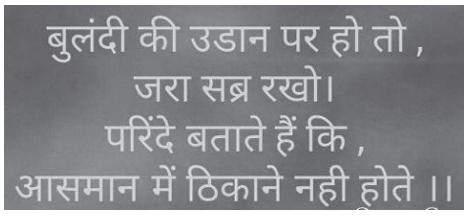

अजीब रवैये वाला सेंसर बोर्ड

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन की द आग्यरूमेंटेटिव इंडियन नामक पुस्तक पर इसी नाम से निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म में आए गुजरात, गाय, हिंदुत्व और हिंदू इंडिया जैसे शब्दों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वह फिल्म को तभी प्रमाणित करेगा जब इन शब्दों को निकाल या म्यूट कर दिया जाए। चूंकि फिल्म में ये शब्द अमर्त्य सेन के मुंह से निकले हैं जिन्हें हिंदुत्व का मुखर आलोचक माना-समझा जाता है इसलिए सेंसर बोर्ड के रवैये की आलोचना होना स्वाभाविक है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जिस फिल्म प्रमाणन बोर्ड की स्थापना फिल्म निमार्ताओं की निरंकुशता रोकने के लिए की गई थी वह स्वयं सरकार के राजनीतिक या वैचारिक विरोधियों से निपटने का निरंकुश हथियार बन जाए। फिल्म में गुजरात शब्द का इस्तेमाल कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में दिए गए अमर्त्य सेन के एक भाषण का हिस्सा है, जबकि गाय शब्द को एक बहस से लिया गया है। इसी तरह हिंदुत्व शब्द को उनके उस कथन से लिया गया है जिसमें वह कहते हैं कि वह भारत को हिंदुत्व के चश्मे से नहीं देखते, बल्कि उनकी भारत की कल्पना अलग है।

यह कोई छुपी बात नहीं कि सेन दक्षिणपंथी विचारों और प्रवृत्तियों के विरोधी हैं। वह कई बार भाजपा और मोदी सरकार की आलोचना कर चुके हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के हाल के सांप्रदायिक घटनाक्रमों को लेकर भी भाजपा की आलोचना की और पूछा है कि हिंदू-मुस्लिम तनाव का लाभ हमेशा उसके ही खाते में क्यों जाता है? जाहिर है उनके ये विचार भाजपा या मोदी सरकार को नहीं सुहाने वाले। ऐसे में सवाल है कि क्या सेंसर बोर्ड द आग्यरूमेंटेटिव इंडियन को सेन के इन विचारों की सजा दे रहा है? सेंसर बोर्ड के रवैये पर अपना विरोध जताने के लिए इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म के निमार्ता ने उसके ट्रेलर को एक वेबसाइट पर डाल दिया है। यह कोई ऐसी पहली फिल्म नहीं है जिसे प्रमाणित करने में सेंसर बोर्ड मोदी सरकार की तरफ से उसके विरोधियों से भिड़ता दिखा हो। 2008 में अहमदाबाद में हुए बम विस्फोट पर बनी फिल्म समीर के एक डायलॉग में मन की बात का जिक्र आया तो बोर्ड ने उसे हटाने को कहा। क्या अर्थ है इसका? क्या यह कि जब तक पीएम रेडियो पर मन की बात करेंगे, बोर्ड किसी और को अपने मन की बात नहीं करने देगा? ऐसी ही एक और नजीर है फिल्म फिल्लौरी की। इस फिल्म में भूतनी से डरा हुआ हीरो हनुमान चालीसा पढ़ने लगता है तो भी वह नहीं भागती। बोर्ड ने इस आपत्तिजनक दृश्य को हटाने के लिए तर्क दिया कि हमारे समाज में मान्यता है कि हनुमान चालीसा के पाठ से भूत भाग जाते हैं। उसके इस दृष्टिकोण पर कौन न बलि-बलि जाए! इसके पहले बोर्ड ने लिपस्टिक अंडर माय बुर्का को यह कहकर प्रमाण पत्र देने से मना कर दिया था कि फिल्म लेडी ओरिएंटेड है और उसमें उनके सपनों एवं फंतासियों को जिंदगी से ज्यादा तवज्जो दी गई है। इसके पहले सेंसर बोर्ड के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय को नोटबंदी के प्रभावों पर बनी बंगला फिल्म शून्यौता यानी खालीपन की रिलीज रोकने में भी संकोच नहीं हुआ था। हाल में जब हैरी मेट सेजल के ट्रेलर को लेकर बोर्ड ऐसा भड़का कि लोग कहने लगे कि इक्कीसवीं सदी के 17वें वर्ष में वह फिल्म दर्शकों को खुलेपन से बंद गली और वैज्ञानिकता से अवैज्ञानिकता की ओर ले जा रहा है। दिन भर इंटरनेट और टीवी चैनलों पर ढेर सारी अनसेंसर्ड सामग्री देखने के बावजूद सेंसर बोर्ड को लगता है कि भारतीय दर्शक अभी परिपक्व नहीं हुए हैं।

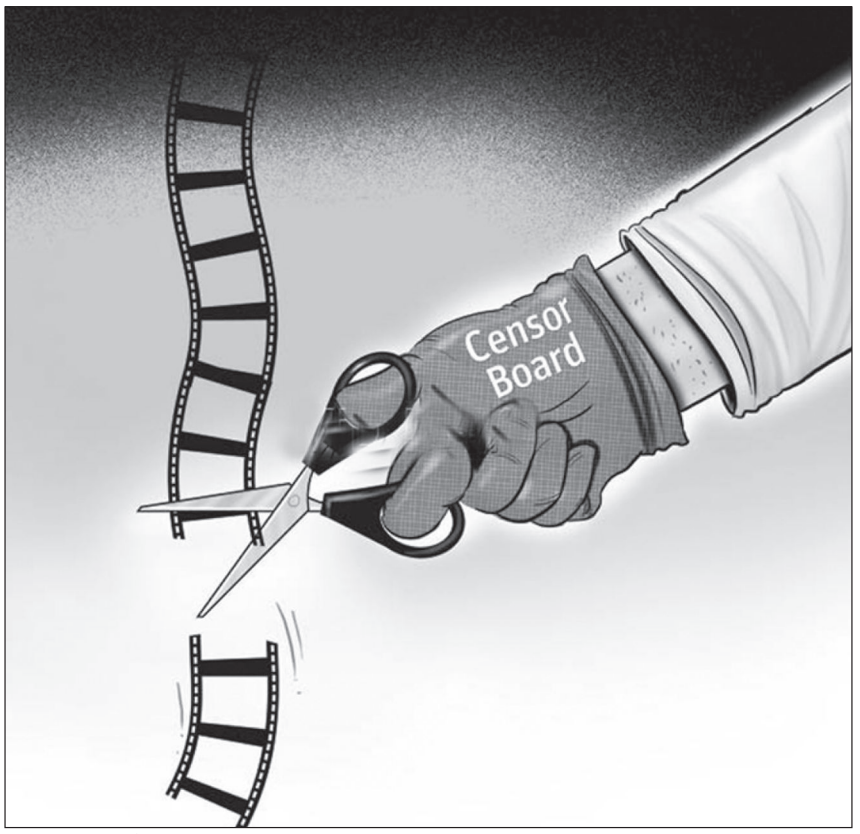

सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष पहलाज निहलानी ने जब हैरी मेट सेजल के ट्रेलर में दो किरदारों की बातचीत में आए इंटरकोर्स शब्द पर आपत्ति जताई और आलोचना होने पर फिल्म निमार्ता से कहा कि अगर उसे आम लोगों से अपने समर्थन में एक लाख वोट मिल जाते हैं तो वह उसे अपनी सहमति दे देंगे। इसी तरह नाम शबाना, हैवेन ऑन अर्थ और प्रोवोक्ड जैसी घरेलू हिंसा की फिल्मों पर भी बोर्ड ने खास तरह से एतराज जताए। नाम शबाना से तो उसने घरेलू हिंसा के अलावा शराब की बोतल और संता-बंता जोक के दृश्य भी डिलीट करवा दिए। तर्क दिया, किसी संप्रदाय की भावना को ठेस नहीं पहुंचाया जा सकता। मजाक के तौर पर भी नहीं।

मधुर भंडारकार की फिल्म इंदु सरकार भी सेंसर बोर्ड की कैंची का शिकार बनी और उन्हें अदालत की शरण लेनी पड़ी। सेंसर बोर्ड की इन कारस्तानियों को मोदी सरकार के इशारे पर बताकर आलोचना की जाए तो सरकार यह तर्क दोहरा सकती है कि कांग्रेस और दूसरी पार्टियों के राज में भी विरोधी या नुकसानदेह फिल्मों और विचारों से ऐसा ही सलूक किया जाता था। उसके पास अमृत नाहटा की फिल्म किस्सा कुर्सी का, सलमान रुश्दी और उनकी पुस्तक पर प्रतिबंध और तसलीमा नसरीन को कोलकाता में रहने तक की इजाजत न दिए जाने की नजीरें हो सकती हैं।

इसके साथ ही वह गजानन माधव मुक्तिबोध की पुस्तक पर प्रतिबंध का पुराना मामला भी याद दिला सकती है, लेकिन बेहतर हो कि सरकार यह समझे कि मतदाताओं ने उसे हालात को पहले जैसे बनाए रखने के लिए नहीं, बदलने के लिए चुना था और किसी भी परिपक्व लोकतंत्र में विरोधी विचारों को उन पर रोक लगाकर नहीं, तार्किक परिणति तक ले जाकर निपटाया जाता है।

भ्रष्टाचार का बोलबाला

भ्रष्टाचार के ही सवाल पर सत्ता परिवर्तन के बाद इसके कई मामलों की पर्ते खुलने लगी हैं। आश्चर्यजनक है कि कुछ विभागों में किस तरह सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा था। पहला प्रकरण संयोगवश तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के अधिकार वाले पथ निर्माण विभाग से संबंधित है जिसके परामर्शी सुधीर कुमार दिल्ली में तीन लाख रुपये महीने किराया वाले आलीशान फ्लोर के कई फ्लैट पर काबिज थे। वैसे यह समझ से परे है कि उन्हें दिल्ली में किस मकसद से मकान की जरूरत पड़ी जबकि पटना में उन्हें शानदार बंगला आवंटित था। सुधीर कुमार प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अधिकारी हैं। महागठबंधन सरकार बनने पर उन्हें पथ निर्माण विभाग में परामर्शी नियुक्त किया गया था। इस बात की जांच की जानी चाहिए कि उन्हें पटना के साथ-साथ दिल्ली में भी किस तर्क और औचित्य के आधार पर इतने महंगे किराये पर आवास मुहैया कराया गया। यह भी देखा जाना चाहिए कि इन्हें सरकारी खर्च पर और क्या-क्या सुविधाएं मुहैया कराई गईं। इस प्रकरण से संकेत मिल रहे हैं कि अभी भ्रष्टाचार के तमाम और मामलों से पर्दा हटेगा। नवनियुक्त मंत्रियों से अपेक्षा है कि वे अपने-अपने विभाग की फाइलें खंगालें और ऐसे सभी प्रकरण सामने लाएं जिनमें वित्तीय अनियमितता बरती गई। राज्य के हित में यह होगा कि बाकायदा जांच करवाकर जो भी व्यक्ति सरकारी खजाने के दुरुपयोग के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए, बाकी सजा के अलावा उससे सरकारी धन की वसूली भी की जाए। अधिकारियों का यह दुस्साहस इसलिए भी आश्चर्यजनक है क्योंकि राज्य में इससे पहले भ्रष्टाचार के आरोपित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हुई है। कई मामलों में दोषी अधिकारियों की संपत्ति जब्त करके सार्वजनिक इस्तेमाल के लिए आवंटित की गई। इसके बावजूद अधिकारी सबक लेने को तैयार नहीं। राज्य सरकार से अपेक्षा है कि इस प्रकरण की पूरी संजीदगी से जांच करवाए और जो भी दोषी पाया जाए उसके खिलाफ विधिसम्मत कठोरतम कार्रवाई की जाए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हॉस्पिटल में भर्ती आदमी को बेड के साथ उठा ले गई पुलिस

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने हॉस्पिटल में एडमिट शख्स को बेड के साथ हॉस्पिटल से बाहर निकाला और अरेस्ट कर लिया। इस दौरान उसने अस्पताल के कपड़े पहने थे। गिरफ्तारी का पूरा वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो जाने के बाद ठाणे पुलिस की खूब आलोचना हो रही है। बता दें कि, 23 जुलाई को ठाणे के अंबाड़ी इलाके में स्थित एक वाइन शॉप में लूट के इरादे से गोलियां चली थी। इस मामले में भिवंडी तालुका के वैजोले गांव का रहने वाले बब्बन पाटिल समेत 6 लोगों के खिलाफ गणेशपुरी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ था। क्राइम ब्रांच को इसकी जांच सौंपी गई थी। क्राइम ब्रांच टीम उसे पकड़ने उसके घर पहुंची। उन्हें देख आरोपी उनसे भीड़ गया और मारपीट करने लगा। इस हाथापाई में आरोपी ने अपना सर दीवार से पटककर घायल कर लिया। इसके बाद हंगामा बढ़ता देख पुलिस वापस आ गई। इसके बाद बब्बन के घरवालों ने उसे ठाणे के कौशल्या हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती करवाया।

परिवार का पुलिस पर आरोप

26 तारीख की दोपहर पुलिस अचानक अपनी टीम के साथ हॉस्पिटल पहुंची और आरोपी को बेड के साथ बाहर निकाला और उसे हॉस्पिटल के बाहर अरेस्ट कर लिया। आरोपी के परिजनों का आरोप है कि, बब्बन की हालत अभी ठीक नहीं थी और पुलिस ने जबरदस्ती उसे घसीटा और मारपीट की और बिना डिस्चार्ज किए उसे अरेस्ट किया। जबकि पुलिस का कहना है कि 23 जुलाई को लूट के इरादे से हुई फायरिंग में बब्बन और उसके साथी शामिल थे। इसी की जांच के सिलसिले में पुलिस उसे पकड़ने उसके घर गई थी, जहां उसने जानबूझकर पुलिस से हाथापाई की और अपना सर दीवार से टकराकर हॉस्पिटल में भर्ती हो गया। जिसके बाद हमने यह कदम उठाया।

टक्कर के बाद घिसटता हुआ गया ऑटो

4 मौतों से गुस्साई भीड़ ने फूंकी बस

नागपुर/सावनेर। तेज स्पीड से नागपुर से सावनेर जा रही मिगलानी ट्रैवल्स की बस ने मालेगांव जा रहे एक ऑटो रिक्शे को टक्कर मार दी। हादसे में रिक्शा सवार तीन यात्रियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक की मौत नागपुर लाते समय हुई। गंभीर रूप से घायल तीन अन्य यात्रियों को मेयो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, गुस्साई भीड़ ने बस को फूंक दिया। बस चालक मौका पाकर फरार हो गया। एमपी के छिंदवाड़ा की मिगलानी ट्रैवल्स की बस शुक्रवार रात 8 बजे नागपुर से सावनेर की ओर जा रही थी। उसी समय सावनेर से मालेगांव जा रहे ऑटो रिक्शा में 7 यात्री सवार थे। ऑटो रिक्शा जैसे ही बस स्टैंड से गांव की ओर मुड़ा, तेज गति से आ रही बस ने टक्कर मार दी। ऑटो रिक्शा चालक गजानन चांदुरकर (45) व उसमें सवार कमला पालेकर (84), उमेश विनायक दहीकर (36) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राजू पालेकर (50), पारस पालेकर (4), अर्चना पालेकर (35), सुनील चांदुरकर (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों को अदानी कंपनी की एंबुलेंस से मेयो अस्पताल भेजा गया। रास्ते में ही अर्चना पालेकर की मौत हो गई। हादसे में तीन जिंदगियां खत्म होने की खबर लगते ही गांव के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने बस को आग लगा दी। बस जलकर खाक हो गई है। भीड़ इस कदर उग्र थी कि जलती बस को बुझाने आई फायर ब्रिगेड तक को रोक दिया गया। मामला गरमाता देख थानेदार गायगोले ने पुलिस का अतिरिक्त दल बुलाया। घटनास्थल पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी।

अज्ञात मृत वृद्ध के वारिस की तलाश

मुंबई। एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की हद में दिनांक 30/3/217 को पार्लेश्वर मंदिर के पास लगभग 60 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति अचेतावस्था में मिला था जिसे एमआईडीसी पुलिस ने उपचार के लिए कुपर हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। जिसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। इस संबंध में एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में एडीआर नंबर 29/11 कलम 17/ए सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज कराया गया। महिला पुलिस उपनिरीक्षक झेंडगे के निर्देशन में मामले की जांच की जा रही है। इस व्यक्ति के विषय में अगर किसी को कोई जानकारी हो तो एमआईडीसी पुलिस स्टेशन के फोन नंबर 02228364352 पर संपर्क करे।

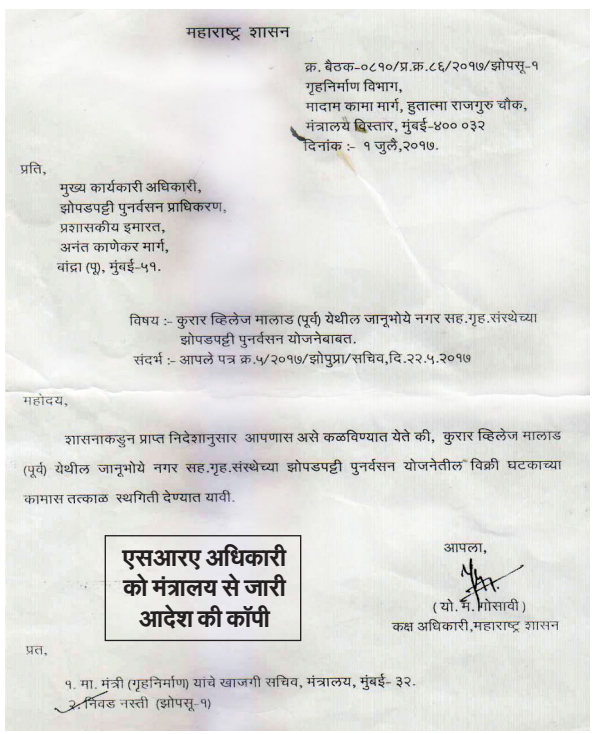

महाराष्ट्र शासन

क्र. बैठक-०८१०/प्र.क्र.८६/२०१७/झोपसु-१
गृहनिर्माण विभाग,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक :- १ जुलै,२०१७.

प्रति,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण,
प्रशासकीय इमारत,
अनंत काणेकर मार्ग,
वांद्रा (पू), मुंबई-५१.

विषय :- कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेबाबत.
संदर्भ :- आपले पत्र क्र.५/२०१७/झोपुप्रा/सचिव,दि.२२.५.२०१७

महोदय,

शासनाकडुन प्राप्त निदेशानुसार आपणास असे कळविण्यात येते की, कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेतील विक्री घटकाच्या कामास तत्काळ स्थगिती देण्यात यावी.

एसआरए अधिकारी को मंत्रालय से जारी आदेश की कॉपी

आपला,
(यो.मे. मोसावी)
कक्ष अधिकारी,महाराष्ट्र शासन

प्रत,
१. मा. मंत्री (गृहनिर्माण) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई- ३२.
२. निवड नस्ती (झोपसु-१)

ओमकार बिल्डर ने दी सरकार को...

यह सरकारी अधिकारी कोई और नहीं, एसआरए (झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी है जिसे महाराष्ट्र सरकार के

(पृष्ठ 1 का शेष)

गृहनिर्माण विभाग की ओर से पहली जुलाई 2017 को ही पत्र द्वारा आदेश जारी किया गया था कि मालाड पूर्व के जानू भोयेनगर में ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स द्वारा बिल्डिंग निर्माण के काम पर तत्काल समय से ही रोक लगा दी जाये। इस बारे में सरकार की ओर से अन्य संबंधित विभागों को भी ओमकार बिल्डर डेवलपर्स के बांधकाम पर रोक लगाने को कहा गया। लेकिन सरकारी आदेश के बावजूद ओमकार बिल्डर डेवलपर्स के मालिक ने जानू भोयेनगर में निर्माण के अपने काम को बिना किसी खौफ से अंजाम देने में लगा है। जैसे उसे सरकारी आदेश की कोई परवाह ही न हो। हो भी कैसे जब एसआरए का अधिकारी ही उससे मिला हुआ है। ओमकार बिल्डर की इस ढीढता को निश्चित रूप से एसआरए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की शह मिली हुई है जिसने रिश्वत खा कर सरकारी आदेश को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया और ओमकार बिल्डर अपने बांधकाम में बडे आराम से जुटा हुआ है। ओमकार बिल्डर डेवलपर्स का दावा है कि मै कोई सडक छाप बिल्डर नहीं जिसके बांधकाम को सरकारी आदेश के एक पन्ने से बंद करवा दिया जाये। मेरी पहुंच उपर तक है। एसआरए के अधिकारी तथा पुलिस और बीएमसी के अधिकारियों को हमने गांधी के तीन बंदर बना के रख दिया है। मेरे काम को कोई बंद करवा सकता। ओमकार बिल्डर डेवलपर्स के मालिक की इन बातों को सुनकर बाखूबी समझा जा सकता है कि ओमकार बिल्डर के लिए सरकारी नियम आदेशो का कोई मतलब नहीं। रिश्वत के बल पर उसने अपने सभी अवैध बांधकाम को अंजाम देता आया है और देता रहेगा। ओमकार बिल्डर की ऐसी बानगी अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और गृहनिर्माण मंत्रालय के लिए चुनौती बन गई है।

रसोई गैस पर सरकार...

धर्मेंद्र प्रधान ने यह जानकारी लोकसभा में एक लिखित जवाब में दी। सरकार ने ये आदेश 30 मई 2017 को ही पास कर दिया था। इसमें ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को एक जून 2017 से हर महीने प्रति सिलेंडर 4 रुपये बढ़ाने को कहा है। ये आदेश मार्च 2018 तक या सिलेंडर पर दी जा रही सब्सिडी खत्म होने तक जारी रहेगी। सरकारी तेल कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) को अगले साल मार्च तक सब्सिडी को पूरी तरह से खत्म करने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी को पूरी तरह से खत्म करने की लंबे समय से तैयारी कर रही है। इसी कड़ी में 1 जुलाई 2016 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हर महीने 2 रुपये बढ़ाने का आदेश जारी किया गया था जिसके बाद से अब तक ओएमसीज (ऑयल मार्केटिंग कंपनियां) कुल मिलाकर 10 बार एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ा चुकी हैं।

उत्तराखंड के बाराहोती इलाके में घुसे...

बताया जा रहा है कि 26 जुलाई की सुबह करीब 8.30 बजे से 9.30 बजे के बीच पीएलए के जवान बाराहोती सीमा से अंदर आ गए। चाइनीज सेना के करीब 200-300 जवान भारतीय सीमा में 300 मीटर तक अंदर घुस आए। आईटीबीपी जवानों ने जब उनका ये मूवमेंट देखा तो उन्होंने विरोध किया। जिसके बाद चीन की सेना वापस लौट गई। बता दें कि जिस इलाके में चाइनीज सेना के जवानों ने घुसपैठ की, वो विवादित माना जाता है। भारतीय सेना के जवान इस इलाके में पेट्रोलिंग करते रहे हैं। हालांकि, वो बिना यूनिफॉर्म के यहां पेट्रोलिंग करते हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब चाइनीज आर्मी के जवान इस इलाके में आए हों। दोनों देशों की सेना के जवान साल में एक बार मौजूदगी दिखाने के लिए यहां पेट्रोलिंग करते रहते हैं। ड्रैगन सेना ने ये गुस्ताखी उस वक्त की, जब बीजिंग में ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का समिट होना था। इसमें शामिल होने के लिए भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी बीजिंग पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक ऐसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं और उनका हल निकाल लिया जाता है। विदेश मंत्रालय ने घुसपैठ की इस घटना को तवज्जो न देने की बात कही है।

NIA ने तोड़ दी अलगाववादियों की कमर

कंगाली की कगार पर पहुंचे

कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों के लिए अलगाववादी नेताओं द्वारा कथित तौर पर आतंकवादियों से पैसे लेने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शिकंजा कस दिया है। अलगाववादियों को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए एन.आई.ए. ने पूरी तरह से तैयारी कर ली है। अपने इसी काम को अंजाम देने के लिए एन.आई.ए. ने अपने छापामारी अभियान को रविवार को भी जारी रखा। जानकारी के अनुसार एन.आई.ए. की छापेमारी से अलगाववादी कंगाल हो गए हैं।

29 ठिकानों पर एक ही दिन में छापेमारी – एन.आई.ए. ने एक दिन में ही अलगाववादियों के 29 ठिकानों पर छापे मारे। इन छापों में करीब 2 करोड़ रुपए ज्वैलरी के अलावा आतंकी संगठनों के लैटरहैड, पैन ड्राइव्स, लैपटॉप और बहीखाते भी बरामद किए गए हैं।

पहली बार हुई इतनी व्यापक छापेमारी – घाटी में नब्बे के दशक में आतंकवाद बढ़ने के बाद यह पहला मौका है जब केंद्रीय एजेंसी ने इतने बड़े पैमाने पर टैरर फंडिंग को लेकर ऐसी छापेमारी की है।

2002 में भी ली तलाशी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई – इससे पहले 2002 में आयकर विभाग ने गिलानी समेत अन्य अलगाववादी नेताओं के यहां तलाशी ली थी जिसमें नकदी और दस्तावेज जब्त किए गए थे, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इन लोगों के ठिकानों पर हुई छापेमारी – घाटी में एन.आई.ए. ने जिन लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की है उनमें कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के दामाद अल्ताफ, कारोबारी जहूर वटाली, मीरवाइज उमर फारूक की अगुवाई वाले अवामी एक्शन कमेटी के नेता शाहिद उल इस्लाम तथा हुर्रियत कॉन्फ्रेंस और जे.के.एल.एफ. के दूसरे श्रेणी के कुछ नेता शामिल हैं।

हाफिज सईद से भी लेते हैं पैसा – आरोप है कि अलगाववादी नेता घाटी में पथराव, सुरक्षा बलों पर हमले, सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा स्कूल और अन्य सरकारी इमारतों को जलाने के लिए पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तोएबा के मुखिया हाफिज सईद से पैसे लेते हैं।

गिलानी से मिले कैलेंडर में ये हैं निर्देश – 4 अगस्त 2016 : सेना और सुरक्षा बलों के खिलाफ धरना-प्रदर्शन और लोगों को भड़काने की साजिश।
8 अगस्त : श्रीनगर की तरफ जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक करना और लोगों को ड्यूटी ज्वाइन करने से रोकना।
9 अगस्त : औरतों से अपील कि वे प्रदर्शन में शामिल हों और आजादी के गाने मस्जिदों में बजाए जाएं।
10 अगस्त : जम्मू-कश्मीर में तैनात सभी सुरक्षा बलों को लैटर दिया जाए और उन्हें कहा जाए कि वे यहां से वापस जाएं।
11 अगस्त : सभी भारत समर्थित राजनेताओं और सरपंचों से यह कहा जाए कि वे अपने पदों से त्यागपत्र दें।
15 अगस्त : जम्मू-कश्मीर में ब्लैक-डे मनाया जाए। हर मस्जिद में पूरे दिन आजादी के गाने बजाए जाएं।

1500 करोड़ रूपए मिले 8 साल में – पाक ने 8 साल में करीब 1500 करोड़ की रकम भारत में इन अलगाववादियों को भेजी। यह रकम कश्मीर में हिंसा और आतंकवाद फैलाने के लिए रिसोर्स जुटाने के मकसद से दी गई थी जिसमें से आधी हुर्रियत नेताओं ने अपने पर ही खर्च कर डाली।

नीतीश के फैसले पर शरद यादव ने तोड़ी चुप्पी

नीतीश कुमार के बिहार में महागठबंधन से अलग होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ सरकार बनाने से नाखुश जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के वरिष्ठ नेता शरद यादव ने कहा है कि राज्य में जो कुछ हुआ है उससे वह सहमत नहीं है और उन्हें महागठबंधन टूटने का अफसोस है। कुमार ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस समेत अन्य दलों के महागठबंधन से अलग होकर 27 जुलाई को राजग के साथ मिलकर सरकार बनाई है।

बिहार की 11 करोड़ जनता के लिए यह ठीक नहीं हुआ यादव इस फैसले से नाखुश बताये जा रहे थे और उन्होंने आज पहली बार इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी। संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में राज्यसभा सांसद ने कहा, जो परिस्थिति है , वह अप्रिय है। देश की और बिहार की 11 करोड़ जनता के लिए यह ठीक नहीं हुआ है। बिहार में जो कुछ घटित हुआ मैं उससे सहमत नहीं हूं। राज्य की जनता ने जनादेश इसलिये नहीं दिया था, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटनाक्रम के बाद यादव के साथ ही पार्टी के एक अन्य सांसद अली अनवर ने अपनी नाखुशी जताई थी।

मनाने के लिए जेतली ने की है यादव से बात
मीडिया में इस तरह की खबरें भी आई थी कि यादव को मनाने के लिए वित्त मंत्री अरुण जेतली ने उनसे बातचीत की है। राजद प्रमुख लालू यादव ने यादव को अपने साथ आने और सांप्रदायिक ताकतों से लडने के लिए अगुवाई का आह्वान भी किया है। यादव के बयान से यह साफ हो गया है कि राजग की तरफ से उन्हें मनाने के प्रयास अभी सफल नहीं हुए हैं। यादव के खिलाफ जद (यू) का कोई नेता अभी तक खुलकर नहीं बोल रहा है। पार्टी के प्रवक्ता के सी त्यागी ने इतना जरूर कहा है कि यादव पार्टी के वरिष्ठ नेता है और उनकी बात पूरे सम्मान के साथ जरूर सुनी जाएगी।

पंजाब के CM बनेंगे जूनियर शहबाज ! अंतिम फैसला नवाज के हाथ

पाकिस्तान पंजाब के मुख्यमंत्री शहबाज शरीफ अपने बेटे हमजा शहबाज को देश के दूसरे बड़े प्रांत का नया मुख्यमंत्री घोषित कर सकते हैं। शहबाज अपने भाई नवाज शरीफ के उत्तराधिकारी के तौर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की गद्दी संभालेंगे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के सूत्रों के अनुसार इस पर आखिरी फैसला नवाज शरीफ लेंगे, जिनके पास पार्टी की कमान है।

पार्टी इस समय पंजाब में अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती है क्योंकि आम चुनाव अगले साल होने हैं। पंजाब के एक वरिष्ठ पीएमएल-एन विधायक ने कहा कि शाहबाज चाहते हैं कि उनका बेटा प्रांत में सरकार के बाकी के कार्यकाल को पूरा करे। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के अंदरूनी सत्रों ने कहा कि शाहबाज शरीफ को अपने बेटे के साथ काम करने में काफी सुविधा रहती है।

डॉन के मुताबिक पार्टी के सूत्रों ने कहा कि अंतिम तौर पर पंजाब प्रांत की अगुवाई का फैसला बेदखल किए गए प्रधानमुंत्री नवाज शरीफ का होगा। नवाज शरीफ पार्टी के पंजाब में नियंत्रण को मजबूत करना चाहते हैं। PML-N के पंजाब से विधायक ने डॉन से कहा कि शाहबाज अपने बेटे को बाकी के कार्यकाल के लिए अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं, जो पहले से ही उप मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि यह नवाज शरीफ को फैसला लेना है कि क्या हमजा इस पद के लिए सही पसंद हैं या नहीं। PML-N पंजाब में अपनी पकड़ कमजोर होने देना नहीं चाहती, खासकर तब जब अगला आम चुनाव महज साल भर दूर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएमएल-एन नेता ने कहा कि शाहबाज नवाज पंजाब के मामलों को अप्रत्यक्ष तौर पर देखते रहेंगे, जबकि उनके बड़े भाई नवाज शरीफ केंद्र का अपने रायविंड आवास से शासन चलाते रहेंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सपोर्ट में बॉलीवुड के कलाकार

टीवी और फिल्म के कलाकार –एकता जैन , श्री राजपूत हर्षवर्धन जोषी , करेंन राजपूत ,सुमति सोलंकी , सिंगर्स संदीप त्रा ,सुजाता मजूमदार , स्वाति शर्मा ,संचिति सकट ,हिमेश के डुल्लीकेट रिमेश राजा भारतीय वीमेन क्रिकेट टीम को सपोर्ट करने इंडिया न्यूज चैनल पे आये जहाँ सभी ने टीम के लिए गाने गाये और खूब डांस किया और आनेवाले मैच के लिए एडवांस में शुभकामनायें दीं। रिमेश राजा ने धोका गीत गाया वहीँ स्वाति शर्मा , संचिति सकट और संदीप बत्रा ने चक दे इंडिया और बन्नो गीत गाया।

महिलाओं के खुद ही कट रहे बाल, दहशत में गांव वाले

हरियाणा के मेवात, गुड़गांव और झज्जर जिले के बाद अब दिल्ली के एक गांव में इन दिनों लोग दहशत में दिन गुजार रहे हैं। दरअसल यहां छावला स्थित कांगनहेड़ी गांव में एक ही दिन में तीन महिलाओं की रहस्यमय तरीके से चोटी काट ली गई। महिलाएं इस गटना के बाद इस कद्र डरी हुई हैं कि लड़कियों ने भी स्कूल जाना बंद कर दिया है। उन्हें डर है कि कही कोई उनके भी बाल न काट ले।

रात को पहरेदारी कर रहे लोग
ग्रामीणों के अनुसार, जिन तीन महिलाओं के साथ यह वाक्या हुआ उन्होंने बताया कि वह घर पर अकेली थी। तभी अचानक उनके सिर में काफी तेज दर्द उठा, वह अचेत हो गईं। इससे पहले कि वे कुछ समझ पातीं उनके बाल कटे हुए मिले जबकि रवाजा अंदर से बंद था, ऐसे में कौन घर में दाखिल हुआ, बाल किसने काटे..ये सभी बातें चर्चा बनी हुई हैं। इस घटना के बाद ग्रामीण रात में पूरे गांव की पहरेदारी कर रहे हैं। कुछ लोग तो अपना घर छोड़कर रिश्तेदारों के यहां चले गए हैं।

अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज
सोमवार को ग्रामीणों ने इस बारे में पुलिस को लिखित शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ महिला सम्मान को ठेस पहुंचाने, मारपीट, अनाधिकृत प्रवेश और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।
वहीं कुछ ग्रामीण इस घटना को तंत्र-मंत्र, जादू-टोने से जोड़कर देख रहे हैं तो कोई इसे भूत का काम बता रहे हैं। लोगों ने अपने घरों में नीम के पते और नींबू-मिर्च लटकाना शुरू कर दिया है।

मुलायम सिंह के निर्देश पर आखिरी बार SP बचाने की कोशिश करूंगा : शिवपाल

समाजवादी पार्टी में लंबे समय से चल रहे विवाद को लेकर शिवपाल यादव अब बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। वो एक बार फिर पूरे यादव परिवार को एकजुट करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि वो एक आखिरी बार समाजवादी परिवार में चल रहे विवाद को खत्म करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने बताया कि बड़े भाई मुलायम सिंह के आदेश अनुसार वो जल्दी ही एक बार फिर अपने भतीजे और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को समझाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने रामगोपाल यादव और नरेश अग्रवाल पर बरसते हुए कहा कि वह अखिलेश को ये भी बताएंगे की ये दोनों बीजेपी के केंद्र सरकार में मंत्री बनने की योजना बना रहे है। उन्होंने कहा कि दोनों जदयू नेता केसी त्यागी के साथ मिलकर बीजेपी में मंत्री बनने की योजना में है। सूत्रों के मुताबिक वो नेताजी के कहने के बाद ही भतीजे से मिलेंगे। उन्होंने बीजेपी में शामिल होने वाली बात को अफवाह बताया उन्होंने बताया कि उनका अभी ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरों को न फैलाया जाए इनको रोका जाए। उन्होंने ये भी कहा कि अगर अखिलेश नहीं मानते है तो समाजवादी सेकुलर मोर्चा बनाकर अपना वजूद बनाऊंगा। आगे का रास्ता नेताजी के आशीर्वाद से ही तय करूंगा। उन्होंने कहा कि एनडीए में शामिल होने की खबरों को मजाक ही समझे क्योंकि शिवपाल समाजवादी है।

राज्यसभा में उठा कांग्रेस विधायकों के खरीद-फरोख्त का मुद्दा, विपक्ष ने किया हंगामा

कांग्रेस ने गुजरात में उनके विधायकों की खरीद-फरोख्त और कथित अपहरण का मुद्दा आज फिर राज्यसभा में उठाया। कांग्रेस के मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी के विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश की जा रही है। सदन में कांग्रेस के उप नेता आनंद शर्मा ने कहा कि गुजरात में शासन तंत्र का दुरूपयोग किया जा रहा है। कांग्रेस विधायकों के परिवारों को डराया धमकाया जा रहा है। इसी बीच सत्ता पक्ष के सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। संसदीय कार्य राज्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गुजरात के लोग भीषण बाढ़ से परेशान हैं और कांग्रेस के विधायक बेंगलुरु में एक रिजार्ट में मौज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहे तो सरकार इस मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है लेकिन शोर शराबा कर सदन का समय बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। लोकसभा में भीड़ द्वारा पीट-पीट कर की जाने वाली हत्याओं के मुद्दे पर नियम 193 के तहत चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गर्मागर्मी होने की आशंका को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि वह आज किसी को नहीं रोकेंगी क्योंकि सदस्य खुद जनता के प्रति जवाबदेह हैं। सदन में इस विषय पर कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने चर्चा की शुरूआत की और उनकी कुछ बातों का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया जिससे सदन में शोरगुल की स्थिति पैदा हो गई। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि आप सब लोग जानते हैं कि यह गंभीर बात है। मेरी भी परीक्षा है। मैं कोई कंट्रोल नहीं करूंगी। आज सभी को अपने क्षेत्रों में जाना है, जनता को जवाब देना है। हम सब खुद के लिए जवाबदेह हैं। आप सभी का नंबर आएगा और उस वक्त आप अपने विचार रख सकते हैं।

आयकर विभाग ने ITR फाइल करने का दिया एक और मौका

आयकर विभाग ने आज इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। अब रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 5 अगस्त कर दी गई है। आपको बता दें कि इनकम टैक्स विभाग ने कहा था कि इनकम टैक्स रिटर्न भरने की तारीख आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। आज आयकर भरने के अंतिम दिन था लेकिन लोगों को आज भी ऑनलाइन कई दिक्कतें आई। ऑनलाइन आयकर रिटर्न भरने में हुई दिक्कतों के बाद सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए यह तारीख बढ़ाई है। 2 करोड़ से अधिक रिटर्न हुए दाखिल– विभाग के पास इलैक्ट्रॉनिक रूप में पहले ही दो करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। विभाग ने करदाताओं से समय पर रिटर्न दाखिल करने की अपील की थी। ई-फाइलिंग की वेबसाइट पर कुछ समस्याएं आने के बारे में अधिकारी ने कहा कि विभाग की इस वेबसाइट पर कोई बड़ी गड़बड़ नहीं देखी गई है, सिर्फ कुछ समय के लिए इस पर रखरखाव के चलते रुकावट देखी गई थी। रिटर्न भरने के लिए जरूरी दस्तावेज– नौकरीपेशा लोगों के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय आमतौर पर फॉर्म–16, बैंक खातों पर मिलने वाला ब्याज और टी.डी.एस. सर्टिफिकेट के अलावा सभी कटौतियों का ब्योरा अपने साथ रखना बेहद जरूरी है। यदि आपने पिछले वित्त वर्ष के दौरान नौकरी बदली है, तो आपको पिछले और मौजूदा नियोक्ता से फॉर्म–16 लेने की जरूरत होगी।

कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में लेगी बिहार का बदला!

बिहार में हुए सियासी उलटफेर के बाद अब अगला नंबर जम्मू कश्मीर का है अंतर सिर्फ इतना होगा कि बिहार में भाजपा सत्ता में आई है और जम्मू कश्मीर में सत्ता से बाहर हो सकती है। पिछले तीन दिन में मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा दिए गए बयान राज्य के सियासी भविष्य की तरफ इशारा कर रहे हैं। जिस तरीके से महबूबा ने तिरंगे को लेकर बयान दिया है वे बयान महबूबा और मोदी के सियासी ब्रेकअप का आधार बन सकता है। महबूबा भाजपा को उकसाने के लिए इस तरह के बयान दे रही हैं और भाजपा महबूबा के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया भी दे रही है।

महबूबा की मजबूरी - 2014 में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने के साथ ही महबूबा का कोर वोटर उससे नाराज हो गया और ये नाराजगी अबतक जारी है। इसका कारण पीडीपी और भाजपा का विचरीक आसमनता है। महबूबा को लगता है कि भाजपा के साथ ये सियासी गठजोड़ा जितना लंबा चलेगा उतना ही पीडीपी को इसका नुकसान होगा। यही कारण है कि एनआईए और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा अलगाववदियो पर मारे गए छापों के बाद महबूबा ने अलगाववादियों के पक्ष में स्टैंड लिया और चेतावनी भरे लहजे में यहां तक बोल गई कि कश्मीर में तिरंगे का कोई संरक्षक नहीं बचेगा। ऐसे बयानों के जरिए महबूबा भाजपा को गठजोड़ तोडने के लिए उकसाने के साथ साथ अपने कोर वोटर को संदेश भी दे रही हैं।

भाजपा क्यों मजबूर - जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद पीडीपी के साथ गठजोड़ करने के वक्त से ही कश्मीर का मुद्दा भाजपा के लिए नासूर बना हुआ है। भाजपा ने कश्मीरियों के दिल जीतने के तमाम प्रयास किए लेकिन ये प्रयास विफल साबित हुए हैं और कश्मीर में शांति स्थापित नहीं हो पा रही। लिहाजा भाजपा भी पीडीपी से पिंड छुड़वाना चाहती है। 2005 के मामलों में अलगावादियों की गिरफ्तारी इसी दिशा में भाजपा का कदम माना जा रहा है। भाजपा को पता है कि उसकी सहयोगी पीडीपी को ये कार्रवाई रास नहीं आएगी लिहाजा भाजपा ने इस मुद्दे पर कोई समझोता न करने के लहजे में अक्रामक रुख अपना लिया है। यदि पीडीपी और भाजपा में ये गतिरोध कायम रहता है तो आने वाले दिनों में कश्मरी राजनीतिक अस्थिरता की तरफ बढ़ सकता है।

विधानसभा की स्थिति - 87 सीटों की जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 28 सीटों के साथ पीडीपी सबसे बड़ी पार्टी है। जबकि 25 सीटों के साथ भाजपा दूसरे 15 सीटों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस तीसरे और कांग्रेस 12 सीटों के साथ चौथे नंबर पर है। जम्मू कश्मीर पीपल कॉन्फ्रेंस के पास 2 जम्मू- कश्मीर पिपुल डेमोक्रेटिक फ्रंट के पास 1, सीपीआई के पास 1 सीटें हैं जबकि 3 सीटें आजाद विधायकों के पास है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोदी का मुकाबला करने की ताकत किसी में नहीं, 2019 में वे ही जीतेंगे: नीतीश

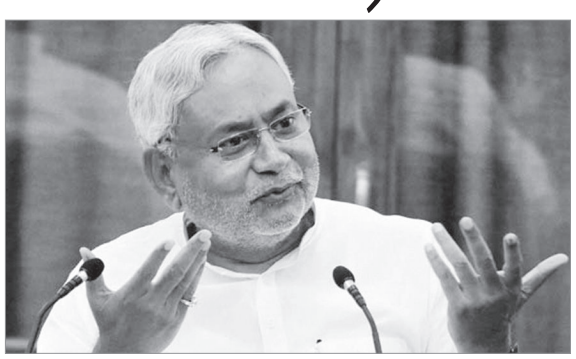

पटना। महागठबंधन से अलग होने के चार दिन बाद नीतीश कुमार ने सोमवार को आरजेडी के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा- मैंने तेजस्वी यादव से करप्शन के आरोपों का तथ्यों के साथ जवाब देने को कहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमारे ऊपर कई आरोप लगाए गए। हम चुप रहे और गठबंधन धर्म को निभाने की कोशिश करते रहे। मीडिया की बातों पर ध्यान नहीं दिया। पिछले साल आरजेडी के एक शख्स ने कई बातें कहीं, लेकिन मैंने ध्यान नहीं दिया। हमने कहा था कि कानून अपना काम करेगा। मेरे बारे में जो भी कहा गया उस पर लालू ने कोई ध्यान नहीं दिया। अपनी पार्टी के बयानों का वो समर्थन करते रहे। जब उनसे पूछा गया कि क्या नरेंद्र मोदी ही अगले पीएम होंगे? तब उन्होंने कहा कि मोदी का मुकाबला करने की ताकत किसी में नहीं, वो ही देश के अगले पीएम होंगे। वो ही 2019 में जीतेंगे।

नीतीश के प्रेस कॉन्फ्रेंस की अहम बातें

नीतीश कुमार ने लालू परिवार और तेजस्वी यादव का नाम बिना लिए कहा-मैंने कहा आप लोगों के बीच जाएं और बताएं कि आरोप गलत हैं। हमने कहा था कि कानून अपना काम करेगा। मेरे बारे में जो भी कहा गया उस पर लालू ने कोई ध्यान नहीं दिया। अपनी पार्टी के बयानों का वो समर्थन करते रहे। मैं जानता था कि इस गठबंधन में ऐसी बातें होंगी। हमारी पार्टी ने आरजेडी सुप्रीमो के बारे में कोई बात नहीं की। हम हर चीज को टॉलरेट कर रहे थे। और उन सब चीजों को झेलते हुए हम काम करते रहे। जितना संभव था चीजों को टॉलरेट करके आगे बढ़े। शराबबंदी का फैसला लेने से पहले हर पहलू को देखा। 2 महीने पहले हमने इन चीजों को देखा। मीडिया ने काफी मदद की।

एडमिनिस्ट्रेशन के काम में बाधा डाली जाती थी, लेकिन हम काम करते रहे

नीतीश ने कहा-प्रशासनिक कार्यों में हस्तक्षेप होता था, लेकिन इसके बाद भी हम काम करते रहे। क्योंकि हम जानते थे कि ऐसा होगा। लेकिन जब करप्शन का मामला सामने आया तो बिहार के जन-जन में ये बात आई। बिहार के बाहर भी इसकी चर्चा होती रही। इस मामले में ना पहले समझौता किया और ना अब किया जा सकता है।

कहा गया-बीजेपी को नया सहयोगी मुबारक हो : कई तरह की बातें कही जाने लगीं। छापे पड़े तो कहा गया कि बीजेपी को नया सहयोगी मुबारक हो। बाद में उस पर सहयोगी सफाई देने लगे। फिर पटना में क्या हुआ? मैं राजगीर में था, बीमार था। मेरा वहां से भावनात्मक लगाव है। अगले दिन छापा पड़ता है। लालू जी से कई बार बातचीत हुई। हमने कहा कि जो बात है वो आप तथ्यों के साथ जवाब दें। इससे जनता में बेहतर प्रभाव जाएगा। हमारा भी बचाव होगा। ऐसा होना भी चाहिए था। लोग पूछ रहे थे कि हम इस्तीफा क्यों नहीं ले रहे। सवाल मेरे ऊपर उठ रहे थे? बहुत सारे सवाल उठ रहे थे।

मुझ पर सवाल उठ रहे थे : नीतीश ने कहा-मेरी पार्टी की 2 जुलाई को मीटिंग हुई थी। देश का पूरा मीडिया करप्शन के मामले को लेकर मुझ पर सवाल उठा रहा था। मेरी पार्टी इस मुद्दे पर एकजुट थी। हमने कहा था कि लोग इस बात पर बिंदुवार जवाब दें। उसका उत्तर क्या दिया गया? हमने सफाई नहीं मांगी, लेकिन जनता को तो ये देनी पड़ेगी।

पटना पुलिस की लफंगई

लड़की के कमर में हाथ डाला, कहा-कोई कुछ नहीं बिगाड़ लेगा

पटना। जिला पुलिस बल के एक सिपाही ने शनिवार सरेशाम महिला अधिवक्ता के साथ ऐसी हरकत की, जिससे पूरा महकमा शर्मसार हो गया। हद तो तब हो गई, जब मातहत को फटकार लगाने के बजाय इंस्पेक्टर ने खुलेआम अधिवक्ता को चुनौती दे डाली कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़

सकता। पूरा वाकया गांधी मैदान थाने से चंद कदम दूर उद्योग भवन के बाहर हुआ। तमाशबीनों की भीड़ लग गई, जिसके बाद पुलिसकर्मी मौके से खिसक लिए। अधिवक्ता ने इस बाबत थाने में तहरीर दी है जिसकी जांच महिला थाना पुलिस को सौंप दी गई है। महिला थाना प्रभारी विभा कुमार के मुताबिक जांच चल रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं। हुआ यूं कि बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में रहने वाली पटना हाईकोर्ट की अधिवक्ता शनिवार की शाम लगभग सात बजे उद्योग भवन के बाहर किताब खरीद रही थीं। उनकी मानें तो उद्योग भवन के अंदर से एक सिपाही निकला और उनकी कमर में हाथ डालकर आगे बढ़ गया। अचानक हाथ लगने पर वह चौंक गई। जब वह जोर से चिल्लाई तो सिपाही हंसते हुए जीप के पीछे बैठ गया। हालांकि सिपाही की हरकतें स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने देख ली थीं। वे गोलबंद होकर जीप रोकने लगे। इस बीच अधिवक्ता अपने मोबाइल से आरोपित सिपाही की तस्वीर लेने लगी। तभी जीप के आगे बैठा इंस्पेक्टर नीचे उतरा और अपशब्द कहकर भीड़ को हटाने लगा। अधिवक्ता जब इंस्पेक्टर की तस्वीर खींचने लगी तो वह बोला-बहुत लड़कियां और औरतें मेरा फोटो खींचती हैं। हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। अधिवक्ता की शिकायत मिलने पर महिला थानाध्यक्ष ने घटनास्थल पर मौजूद लोगों का बयान दर्ज किया। अधिकारिक सूत्रों की मानें तो गवाहों ने अधिवक्ता के आरोप को सत्य बताया। दोनों आरोपित पुलिसकर्मी ट्रैफिक के बताए जाते हैं।

सेना पर विवादित टिप्पणी मामले में आजम खान की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

लखनऊ। यूपी के पूर्व मंत्री आजम खान की मुसीबतें बढ़ सकती हैं। आजम खान की सेना पर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर सकता है। अर्जी दाखिल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट आजम खान को नोटिस जारी करेगा। एडवोकेट जनरल केके वेणुगोपाल ने कोर्ट को बताया कि बुलंदशहर रेप मामले में भले ही कोर्ट से माफी मांग ली हो, लेकिन वह लगातार विवादित टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के खिलाफ टिप्पणी की है ऐसे में कोर्ट को आजम खान को माफी नहीं देनी चाहिए। वेणुगोपाल ने बताया कि सेना पर टिप्पणी पर आजम खान पर देशद्रोह का मामला भी दर्ज किया गया है। कोर्ट ने कहा कि अर्जी दाखिल करेंगे तो सुनवाई कर सकते हैं।

हरीश साल्वे ने कहा कि वह अर्जी दाखिल करेंगे

पिछले साल 15 दिसंबर को बुलंदशहर गैंगरेप मामले में यूपी के मंत्री आजम खान के पछतावे वाले माफीनामे को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। माफीनामे में रिमोर्स यानी पछतावा शब्द का इस्तेमाल किया गया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह बिना शर्त माफीनामा से भी ऊपर का माफीनामा है। दरअसल, मंत्रियों को सरकार के घोषित रुख से अलग राय रखना क्या अभिव्यक्ति की आजादी के तहत आता है? सुप्रीम कोर्ट को यह तय करना है। पिछली 20 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि वह इस मसले पर विचार करने के लिए पांच जजों की बेंच को रेफर कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के तत्कालीन मंत्री आजम खान के बुलंदशहर गैंगरेप के मामले पर बयान मामले पर सुनवाई के बाद ये फैसला किया था। आजम खान ने बयान दिया था कि बुलंदशहर गैंगरेप को समाजवादी पार्टी सरकार को बदनाम करने की साजिश करार दिया था। सुनवाई के दौरान एमिकस क्युरी हरीश साल्वे ने कहा कि मंत्री सामूहिक जिम्मेदारी के अपने संवैधानिक दायित्व से बंधे होते हैं और वे सरकार की घोषित नीति से अलग नहीं बोल सकते हैं। एक व्यक्ति अगर मंत्री का पद ग्रहण करता है तो वह व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल नहीं कर सकता है और वह सरकार के उलट बयान नहीं दे सकता। पिछली 29 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बुलंदशहर गैंगरेप मामले पर सुनवाई करते हुए कई संवैधानिक सवाल उठाए थे।

नशेड़ी पिता ने काटा बेटे का गला, गंभीर

मुजफ्फरपुर। नशेड़ी पिता ने सोते समय अपने 11 वर्षीय बेटे का गला धारदार हथियार से काटकर जान लेने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से पिता फरार है। मामला हथौड़ी थाना क्षेत्र का है। हथौड़ी थाना क्षेत्र के ब्रहंडा निवासी दुखा सहनी मजदूरी कर घर चलाता है। वह नशे का आदी है। नशे के लिए वह अक्सर पत्नी सुधा देवी से रुपये की मांग करता था। इसे लेकर अक्सर मारपीट होती थी। पिछले तीन-चार दिनों से जान से मारने की नीयत से हंगामा व मारपीट कर रहा था। रविवार की रात वह नशे में घर आया। हंगामा करने लगा। किसी तरह मामला शांत हुआ। रात करीब साढ़े 12 बजे उसने सबसे बड़े बेटे अमर कुमार (11) के गले पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उसकी चीख सुन मां सुधा देवी की नींद टूटी तो उसने शोर मचाया। इस पर दुखा भाग निकला। घटना के बाद कोई पड़ोसी मदद को नहीं आया तो मां घायल बेटे को गांव के डॉक्टर के पास ले गई।

ताजमहल ही नहीं ये किला भी है इनके प्यार का गवाह

शाहजहां और मुमताज के प्यार की कहानी को तो हर कोई जानते ही है। मुमताज के प्यार में ही शाहजहां ने ताजमहल का निर्माण करवाया था। ये किला आज भी इनके प्यार की कहानी को बयां करता है। पर आज हम बात कर रहें है बुरहानपुर में बने फारुखी काल के शाही किले की। इस किलें में इन दोनों का प्यार परवान चढ़ा था। इस किलें की दिवारों से लेकर हर कमरे तक इनके प्यार का गवाह है। तो आइए इस किले के बारे में कुछ और इंटरस्टिंग बातें जानते है।

1. किले का इतिहास

शाहजहां 1603 में इस किले के सूबेदार थे और 1621 में दक्षिण पर आक्रमण के सिलसिले में वह कई वर्ष तक यहां रुके थे। इस दौरान उन्होंने यहां पर बहुत सी शानदार इमारतें बनवाई थीं। शाहजहां के अलावा औरंगजेब, मोहम्मद शुजा और शाह आलम ने भी इस किले में निवास किया था। मुमताज ने अपने चौदहवें बच्चे को यहीं पर जन्म दिया था।

2. आलीशान कमरें

ये किला शाहजहां को इतना पंसद था कि अपने कार्यकाल के पहले तीन वर्षों में ही उन्होंने इस किले की छत पर दीवाने आम और दीवाने खास नाम से दो दरबार बनवा दिए थे। इसके अलावा उन्होनें यहां पर ऐसी जगह बनवाई थी जहां पर वो बेगम के साथ समय बिताया करते थे। बहुत कम लोग ये बात जानते है कि ताजमहल बनने से पहले मुमताज के शरीर को यहीं पर दफनाया गया था।

3. आखरी सांस

सात जून 1639 में मुमताज ने शाहजहां की गोद में अपनी जिंदगी की अंतिम सांस ली। उन्हें ताप्ति नदी के किनारे जैनाबाद के प्रसिद्ध बाग में दफनाया गया था जेकि इस महल के करीब है। चार मंजिला का ये किला आज खंडहर बन चुका है लेकिन अभी भी ये वैसे का वैसा ही दिखता है। कहा जाता है कि 100 साल पहले स्लैब गिरने के कारण इस किले की तीसरी मंजिल को बंद कर दिया गया था।

4. मुमताज की आत्मा

मुमताज के मरने पर उनके मृत शरीर को इसी जगह में दफनाया गया था फिर ताजमहल बनने के बाद उनके शरीर को यहां से निकाल लिया गया था। कहा जाता है कि मुमताज के शरीर को तो यहां से निकाल लिया गया लेकिन उनकी आत्मा अभी भी यहीं पर भटकती है। लोगों का कहना है कि अक्सर इस महल से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आती है।

5. महल की कारीगरी

इस महल को शाहजहां ने बड़े ही प्यार से मुमताज के लिए बनाया था। इसकी दिवारें से लेकर छत तक की कारीगरी करने के लिए 6 महिने लग गए थे। यहां की छतों और दिवारों पर रंगीन कांच के टुकड़े जड़े हुए है। यहां अंधेरे में केवल एक दिया जलाने से पूरे महल में रोशनी हो जाती है। इस महल के हजाम में कई तरह के चित्र बनाए गए है। कहा जाता है कि इन चित्रों में से किसी एक को देखकर शाहजहां को ताजमहल बनाने के लिए प्रेरणा मिली थी।

इस जंगल में पेड़ों का 90 डिग्री तक मुड़ना एक रहस्य

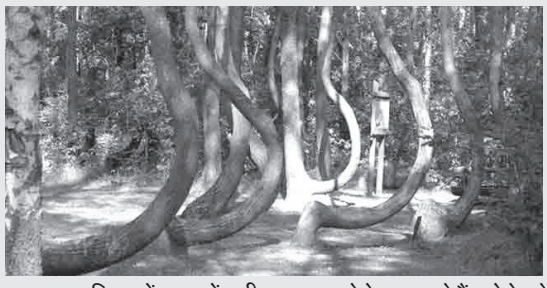

इस दुनिया में अजूबों की कमी नहीं है। इंसान ही नहीं प्रकृति भी समय-समय पर अपने अजूबों से लोगों को हैरान करती रहती है। प्रकृति के अजूबों का उदारहण पोलैंड का ये क्रूक्ड जंगल है। जिसे देखकर शायद ही कोई ऐसा हो जो हैरान न हो। यह जंगल दुनिया के बाकी जंगलों से काफी अलग है। यह अपने भयानक पेड़ों की वजह से नहीं बल्कि झुकने वाले पेड़ों की वजह से जाना जाता है।

रोचक और रहस्यमयी

पोलैंड का यह जंगल नोवे सजारनोवो गांव के पास स्थित है। इस जंगल में पेड़ों की खासियत यह है कि ये समकोण यानी कि 90 डिग्री तक झुके हुए हैं। ये तीन से नौ फुट तक बढ़ने के बाद मुड़ते हैं। जो देखने में काफी रोचक और रहस्यमयी लगते हैं। पोलैंड का ये क्रूक्ड जंगल अपने इस रहस्यमयी पेड़ों की वजह से काफी चर्चा में रहता है। इस जंगल के इन पेड़ों को लेकर कहा जाता है कि ये द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरूआत से पहले लगाये थे।

बड़े ही खूबसूरत लगते

वहीं यहां के कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गुरुत्वाकर्षण बल की वजह से ऐसे हो जाते हैं। वहीं कुछ लोग इन पेड़ों को झुकाने में दूसरे ग्रहों से आए प्राणियों की भूमिका को मुख्य कारण मानते हैं। वहीं अभी तक इन पेड़ों की झुकने की सही वजह नहीं पता चल सकी है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
राजकीय बाधा दूर होगी। कुसंगति से हानि होगी, बचें। धन प्राप्ति सुगम होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह
वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। मेहनत का फल अच्छा मिलेगा।

धनु
डूबी रकम प्राप्त होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी लाभप्रद रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। रुके कार्यों में गति आएगी।

वृष
संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं, लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी।

कन्या
कुसंगति से हानि होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय संतोषजक रहेगा। जोखिम न लें।

मकर
नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर सुधार होगा। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे।

मिथुन
मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य हो सकता है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

तुला
परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। अचानक लाभ होगा। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे।

कुंभ
शत्रु घुटने टेकेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। कार्य सुचारु रूप से चलेंगे। लाभ होगा।

कर्क
दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग बाधा का कारण बनेगा।

वृश्चिक
बेचैनी रहेगी। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। झंझटों में न पड़ें। कुसंगति से हानि होगी। जल्दबाजी न करें।

मीन
चोट, चोरी व दुर्घटनादि से हानि संभव है। वस्तुएं गुम हो सकती हैं। विवाद को बढ़ावा न दें।

ये हैं विदेश के सबसे महंगे होटल्स देनी होगी इतनी बड़ी रकम

दुनिया में एक से बढ़कर एक होटल्स है जो अपनी अलग-अलग खासियत के लिए दुनियाभर में मशहूर होते है। जितने मशहूर उतने ही महंगे इन होटल्स में आम इंसान बिल्कुल नहीं रह सकता है। इन होटलों का लुत्फ तो अमीर लोग ही उटा सकते है। अगर आप भी लग्जरी और दुनिया के सबसे महंगे होटलों में ठहरने की हिम्मत रखते है तो आज हम आपको कुछ ऐसे होटलों के बारे में बताएंगे जो दुनिया के सबसे खूबसूरत होटल्स में से एक है। खूबसूरत तो है लेकिन इनका किराया भी कुछ कम नहीं है।

1. होटल प्लाजा एथन, पैरिस, फ्रांस

450 स्क्वायर मीटर के प्लाजा रॉयल स्वीट पैरिस का सबसे बड़ा होटल है। स्वीट में नाइन बैंग एंड ऑलफसेन के फ्लैट टीवी, जकूजी और एक स्टीम रुम बना हुआ हैं। यहां से आप एवेन्यू मौनटैंग और एफिल टॉवर के व्यू का मजा ले सकते है लेकिन यहां एक रात का किराया लगभग 27,000 डॉलर है।

2. द कनॉट होटल, लंदन, इंग्लैंड

लंदन के इस प्रीमियर पैंटहाउस लग्जरी मजा उठा सकते है। इसका इंटिरियर फर्नीचर, आर्ट, लिमिटिड बुक्स और यूनिक एंटीक्स से बनाया गया है। यहां आपको 24 घंटे खाना सुविधा मिलेगी लेकिन यहां एर रात रूकने के लिए आपको कम से कम 24,600 डॉलर देने होंगे।

3. द मार्क होटल, न्यूयॉर्क, यूएसए

यह होटल हाल ही में सबसे महंगे होटल की सूची में शामिल हुआ है। इस 1115 स्क्वायर मीटर के एरिया में 5 बेडरूम, 4 फायरप्लेस, 6 बाथरूम, 8 मीटर सीलींग का लिविंग रूम जिसे बॉल रूम में भी तबदील किया जा सकता है। यहां आपको खाने के साथ 24 घंटों की सूट टेलरिंग की सर्विस भी मिलती है। यहां एक राज का स्टे लगभग 86,094 डॉलर है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेहत ही नहीं, चेहरे के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

हर कोई चॉकलोट खाना पंसद करता है खास कर लड़कियां। इसे खाना सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता लेकिन सेहत के साथ-साथ ये त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होती है। इसका फैस मास्क बना कर लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे, रुखी त्वचा, झुर्रियां आदि ठीक हो जाते है। इसके अलावा इससे स्किन ग्लोंइन हो जाती है। तो आइए जानते है किस तरह चॉकलेट के इस्तेमाल से आप अपनी सुंदरता को ओर निखार सकती है।

1. झुर्रियां और दाग धब्बे
चॉकलोट में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां और दाग धब्बे ठीक हो जाएंगे। इसके लिए एक-तिहाई कप में कोको पाउडर, 3 चम्मच शहद और कुछ नींबू की बूंदे मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धों लें। इससे त्वचा मुलायम होगी और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

2. रुखी त्वचा
डार्क चॉकलेट में विटामिन, कैल्शियम, आयरन पाया जाता है।। इसे चेहरे पर मास्क की तरह लगाने से स्किन पर नैचुरल ग्लो आता है। इसमें कोको पाउडर, क्रीम, हनी और ओटमिल मिली कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाने से कुछ ही समय बाद आपको चेहरे पर फर्क दिखने लगेगा।

3. चेहरे पर नमी
डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटी-इनफ्लैमेटरी चेहरे में नमी को बनाकर उसे ड्राई होने से बचाते है। इसे लगाने से चेहरा मुलायम हो जाता है। इसके अलावा ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके चेहरे पर कोमलता बनाए रखती है।

4. सूर्य की किरणें
अक्सर महिलाएं सूरज की किरणों से बचने के लिए सन-सक्रीन क्रीम ले आती है। पर अब आपको इसके लिए पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है। डार्क चॉकलेट को पिघलाकर चेहरे पर लगाने से आप सूरज की किरणों से बचे रहेंगे। इसके अलावा ये सनबर्न और रेडनेस भी ठीक करता है।

5. स्ट्रेच मार्क्स
चॉकलेट के अंदर लिनोलियम एसिड पाया जाता है। इसको चेहरे पर लगाने से स्ट्रेच मार्क्स पूरी तरह खत्म हो जाते है। इसे लगाने पर आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। इसे खाने से चेहरे को बहुत से पोषक तत्व मिलते है जिससे आप बेदाग निखार पा सकती है।

सफेद बालों को काला करेंगे ये असरदार नुस्खे

सफेद बालों की समस्या आज अधिकतर लोगों परेशान कर रही है। सफेद बालों की वजग से लोग समय से पहले बूढ़े दिखने लगते है और कई लोगों के मजाक का पात्र भी बनना पड़ जाता है। ऐसे में लोग सफेद बालों को छिपाने के लिए मार्कीट से मिलने वाले कई हेयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है जो कई बार फायदे की वजह नुकसान पहुंचा देते है। कुछ लोग तो बालों का डाई करते है, जिनमें कई तरह के कैमिकल्स होते है। बाल सफेद और जल्दी टूटने लगते है। अगर आप भी सफेद बालों की समस्या से परेशान है तो इस बार हेयर डाई करने के बजाएं इन घरेलू तरीकों को आजमाकर देखें।

बालों के सफेद होने के कारण
- मानसिक तनाव
- गलत खान-पान
- शरीर में प्रोटीन की कमी
- डाई और हेयर कलर का अदिक इस्तेमाल
- हेयर प्रॉडक्ट का साइड इफैक्ट

सफेद बालों को नैचुरली काला करने के तरीके

कच्चा पपीता
कच्चा पपीता ले और असका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों में लगाएं और 15 मिनट के बाद धो लें। इस उपाय से न तो बाल झड़ेंगे और सफेद बालों की समस्या भी दूर होगी।

प्याज
एक प्याज ले और उसे पिसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर अच्छे से लगाएं। 15 मिनट बाद धो लें। इस उपाय को रोजाना इस्तेमाल करें। इससे बाल जल्द ही काले हो जाएगे।

काली मिर्च
अगर बाल उम्र से पहले ही सफेद हो रहे है तो रोज दही में काफी मिर्च मिलाकर खाएं। इससे बाल काले होंगे।

चुकंदर
चुकंदर को काट लें। फिर इसमें हिना का 1 चम्मच मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इससे बालों पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो दें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

आम के पत्ते
आम के पत्तों को पीसकर पेस्ट बनाएं और 15 मिनट के लिए बालों पर लगाएं। फिर धो दें। इससे बाल काले, मुलायम और लंबे होंगे।

शिकाकाई और आंवला
शिकाकाई और सूखा आंवला पीसकर रात को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इसका पीन छानकर बालों की मालिश करें। आधे घंटे बाद धो लें।

अनिद्रा की प्रॉबल्म को दूर करने के लिए अपनाएं ये तरीके

नींद न आने की समस्या आम है। ऐसे कई लोग है जिनको रात से नींद अच्छी नहीं आती, जिस वजह से उन्हें दिन भर थकान, सिर दर्द, टेंशन और चिड़चिड़ेपन का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनका फायदे मिलने के बजाए नुकसान भी हो सकता है। अगर आप भी अनिद्रा की प्रॉबल्म से परेशान है तो इन घरेलू तरीकों को अपनाएं।

जीरा
केले का पेस्ट बनाकर उसमें 1 चम्मच जीरा डालें। रोज रात को सोने से पहले इसका सेवन करें। इसस अनिद्रा की प्रॉबल्म झट से गायब हो जाएगी।

जायफल
आधा चम्मच जायफल पाउडर को 1 गिलास गर्म दूध में मिलाकर पिएं। ध्यान रखें इसका सेवन रात को सोने से पहले करें। इससे भी काफी फायदा मिलेगा।

केसर
केसर के 2 धागे लें और 1 कप गर्म दूध में मिलाकर पिएं। रात को सोने से पहले इसका सेवन करें। इससे भी नींद काफी अच्छी आएगी।

कैमोमाइल टी
रोज रात को सोने से पहले 1 कप कैमोमाइल टी का सेवन करें। इससे अनिद्रा की प्रॉबल्म दूर रहेगी।

हार्मोन और स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं ये आहार

त्वचा को आंतरिक सेहत का आइना कहा जाता है। चमकती-दमकती त्वचा अच्छी सेहत की पहचान है। हार्मोनल गड़बड़ी, पोषक तत्वों की कमी, तनाव व प्रदूषण की वजह से त्वचा अपनी चमक खोने लगती हैं, जिसकी वजह से वह बेजान और उम्र से पहले ही एजिंग दिखाई देने लगती हैं। सिर्फ कास्मेटिक्स के इस्तेमाल से ही आप इसे ग्लोइंग नहीं बना सकते बल्कि आपका स्वस्थ होना भी बहुत जरूरी है। साथ ही त्वचा की बाहरी परत की देखभाल करना भी बहुत आवश्यक है क्योंकि त्वचा की बाहरी परत अंदरूनी अंगों को हर तरह के वातावरण से सुरक्षा क्वच प्रदान करती हैं इसलिए त्वचा को कोमलता और पोषण प्रदान करना बहुत जरूरी है।

हार्मोन्स असंतुलन के कारण व इससे जुड़ी स्किन समस्याएं
चेहरे पर निकले कील मुंहासे, व्हाइटहैड्स, ब्लैकहैड्स, पिंपल्स, रेशेज, अनचाहे बाल, झुर्रियां और झाइयां साफ तौर पर बॉडी में होने वाले हार्मोन्स असंतुलन की ओर इशारा देती हैं। हार्मोनल गड़बड़ी से होने वाले कील मुंहासों की शिकार महिलाएं आम हो जाती हैं, जिनका संबंध महिलाओं की मासिक धर्म चक्र से भी होता है। टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन्स में जब गड़बड़ी होती है तो स्किन में सूजन और मुंहासे निकलने शुरू हो जाते हैं। हार्मोन्स की गड़बड़ी होने के पीछे यूं तो बहुत सारी वजहें हो सकती हैं लेकिन इसकी गड़बड़ी का एक कारण खान-पान भी हो सकता है। अगर आप पोषक तत्वों से भरपूर भोजन नहीं खाते तो हार्मोन्स में असंतुलित हो जाते हैं, जिससे चेहरे की त्वचा डल, पिंपल्स और असमय झुर्रियां भी दिखाई देने लगती है। चेहरे पर दिखाई देने वाले अनचाहे बाल भी हार्मोन्स गड़बड़ी की वजह से ही ह्यादा होते हैं जो थाइराइड की निशानी माने जाते हैं।

दरअसल, रोजमर्रा में खाए जाने वाले बहुत सारे आहार ऐसे हैं जो हार्मोन्स इम्बैलेंस कर स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं। आज हम आपको ऐसे आहारों के बारे में बताएंगे जो स्किन और हार्मोन्स को नष्ट कर नुकसान पहुंचाते हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
1 अगस्त, 2017

क्रिकेट के ओलिंपिक में शामिल होने में बीसीसीआई लगा रहा अडंगा

नई दिल्ली। ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल होता है तो भारत के लिए पदक की संख्या बढ़ने के पूरे-पूरे आसार हैं। लेकिन आपको यकीन नहीं होगा की बीसीसीआई नहीं चाहता कि ऐसा हो। आपको यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन ऐसा है। क्रिकेट पिछली बार 1900 के पेरिस ओलिंपिक खेलों में शामिल था। आईसीसी अब इसे 2024 के ओलिंपिक खेलों में शामिल करवाने का प्रयास कर रहा है, इन खेलों का आयोजन भी पेरिस में ही संभावित है। ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल करने के लिए इस बार जब आईसीसी खुद प्रयास कर रही है तो ऐसे में भारतीय क्रिकेट को चलाने वाले बीसीसीआई ने अड़ियल रुख अपना लिया है। जिसकी वजह से क्रिकेट को ओलिंपिक में शामिल करने में दिक्कतें आ रही हैं। आईसीसी और आईओसी टी-20 क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करना चाहते हैं। बीसीसीआई इसके लिए सहमत नहीं है।

इन वजहों से सहमत नहीं हैं बीसीसीआई

बीसीसीआइ के ओलंपिक में शामिल न होने का मुख्य कारण उसकी स्वायत्तता खत्म है। बीसीसीआई नहीं चाहती कि उसकी स्वायत्तता पर कोई खतरा उत्पन्न हो यही उसके विरोध का मुख्य कारण है। बीसीसीआई के विरोध का दूसरा मुख्य कारण राजस्व है, अगर बीसीसीआई आईओए में शामिल होता है तो उसे अपना राजस्व बाँटना होगा जो बीसीसीआई बिल्कुल भी नहीं चाहता।

आईओसी की ये भी है बड़ी शर्त

आइसीसी, बीसीसीआइ को सहमत करने के लिए सभी कोशिशें कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक संघ ने ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए आईसीसी से बड़ी टीमों और उसके खिलाडियों के खेलने का आश्वासन माँगा है। ऐसे में आईसीसी के लिए भारत के बिना एक कदम चलना भी मुश्किल है। आईओसी पहले ही साफ कर चुका है कि जब तक बड़ी टीमों और उसके बड़े खिलाडियों के खेलने आश्वासन नहीं मिलता आईओसी, आईसीसी के ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं करेगा?

पहले भी ओलिंपिक में शामिल हो चुका है क्रिकेट

आइसीसी के पास सितम्बर तक का समय है जिसके अंदर-अंदर उसे आईओसी को अपना फैसला बताना है ताकि इसके आगे कि प्रक्रिया को पूरा किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित प्रशासकों कि समिति ने बीसीसीआई के सीईओ राहुल जौहरी से क्रिकेट को ओलिंपिक में शामिल करने संबंधित रिपोर्ट मांगी है। बीसीसीआई अगर सहमत होता है तो 2024 के ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया जा सकता है। ओलिंपिक में क्रिकेट का आयोजन 1990 पेरिस ओलंपिक में किया गया था। 2024 पेरिस में होने वाला ओलिंपिक एक बार फिर से ओलंपिक में क्रिकेट का वापसी स्थल बन सकता है।

ऐसा लगा जैसे मैं वनडे क्रिकेट खेल रहा था: हार्दिक पंड्या

गाले। टेस्ट पदार्पण में कई खिलाडियों पर इसका दबाव हावी हो जाता है लेकिन हार्दिक पंड्या को लगा कि वह लंबे प्रारूप में अपनी पहली पारी के दौरान वनडे मैच में खेल रहे थे। पंड्या ने 49 गेंद में 50 रन बनाए जिससे भारत ने तेजी से 600 रन जोड़े और कप्तान विराट कोहली को पहले टेस्ट में श्रीलंकाई बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने के लिए अतिरिक्त ओवर मिल गए। पंड्या से उनके पहले टेस्ट से पहले की तैयारियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि यहां तक कि जब मैं बल्लेबाजी कर रहा था तो मुझे लग रहा था कि मैं वनडे में बल्लेबाजी कर रहा हूं। मेरे लिए परिस्थितियां बिलकुल परफेक्ट थीं।

चीनी बॉक्सर को विजेंदर ने लताड़ा, बोले-चाइनीज माल ज्यादा नहीं टिकता

नई दिल्ली। ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक हासिल करने वाले भारत के स्टार मुक्केबाज विजेंदर सिंह 5 अगस्त को दोहरी खिताबी बाउट में डब्ल्यूबीओ ओरिएंटल सुपर मिडिलवेट चैम्पियन जुल्फिकार मैमेतअली से भिड़ेंगे। लोकिन इससे पहले विजेंदर मैमेतअली को लताड़ते नजर आए। विजेंदर ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, 45 सेकेंड में जल्द से जल्द इस मैच को निपटाने की कोशिश करूंगा। चाइनीज माल ज्यादा टिकता नहीं। उनके इस बयान के बाद ऐसा लग रहा है कि दर्शकों को एक कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस बाउट में दोनों मुक्केबाज अपने-अपने डब्ल्यूबीओ खिताब दांव पर रखेंगे। बता दें कि विजेंदर इस समय बाउट के लिए अपने ट्रेनर ली बीयर्ड के साथ इंग्लैंड के मैनचेस्टर में ट्रेनिंग ले रहे हैं। इस कड़े मुकाबले का पहला टिकट महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को खुद विजेंदर ने भेंट किया है।

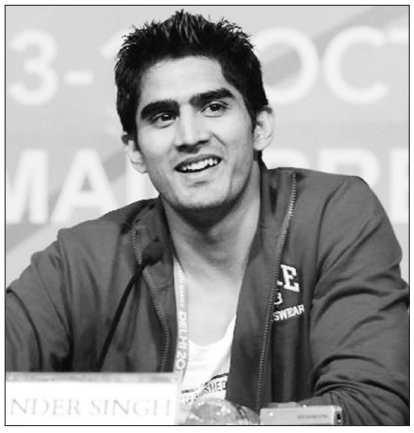

कर चोरी मामले में स्पेन की अदालत में पेश हुए रोनाल्डो

मैड्रिड। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो कर चोरी के मामले में मैड्रिड के पास एक अदालत में पेश हुए। रोनाल्डो पर लाखों यूरो की कर चोरी का आरोप लगा है। इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर से पोजुएल्लो डि अलारकोन में एक अदालत में पूछताछ की जाएगी।

अपनी गर्लफ्रेंड और रिश्तेदारों के साथ गर्मी की छुट्टी मनाने और चीन के व्यावसायिक दौरे के बाद लौटे रोनाल्डो यहीं रहते हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार दुनिया के सबसे महंगे खिलाड़ी रोनाल्डो से पहले बार्सिलोना के फॉरवर्ड और अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी को भी पिछले साल कर चोरी के मामले में दोषी पाया गया था। अभियोजकों का आरोप है कि रोनाल्डो ने एक करोड़ 73 लाख डॉलर की कर चोरी की है । रोनाल्डो ने इन आरोपों को गलत ठहराया है। उनके एजेंट की कंपनी गेस्टिफ्यूट ने कहा कि रोनाल्डो ने कुछ भी छिपाया नहीं है।

श्रीलंका की मुश्किलें कायम, अब इस दिग्गज का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

कोलंबो। श्रीलंका के लिए भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में एक अच्छी खबर और एक बुरी खबर हो सकती है। नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल इस मैच में टीम की कमान संभालने के लिए वापसी कर सकते हैं, लेकिन स्टार गेंदबाज रंगना हैराथ का इस मैच में खेलने की संभावना कम लग रही है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो में 3 अगस्त से खेला जाएगा। भारत पहला टेस्ट 304 रनों से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुका है। चांदीमल निमोनिया की वजह से पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। श्रीलंका की क्रिकेट टीम के प्रबंधक और चयनकर्ता असांका गुरुसिन्हा ने कहा, दिनेश को फिट होना चाहिए। उन्होंने रविवार को अभ्यास किया था और पिछले कुछ दिनों में उन्होंने बल्लेबाजी भी की। हैराथ के बारे में गुरुसिन्हा ने कहा, हमें अगले कुछ दिनों में देखना होगा कि वे किस प्रकार खेल पा रहे हैं, क्योंकि उनकी उंगली की चोट ठीक नहीं हुई है। हम उन्हें अगले मैच की शुरूआत के आखिरी मिनट तक का समय देंगे, ताकि वह फैसला ले सकें कि वे मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं कि नहीं? गुरुसिन्हा ने कहा, 'मैच के एक दिन पहले हम यह देखेंगे कि क्या वे गेंद स्पिन करवा पा रहे हैं या नहीं। यदि वे बिना दर्द के ऐसा कर पाएंगे तो हम उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल करेंगे, अन्यथा हमें दूसरा विकल्प देखना होगा। इस वक्त तो उनकी उंगली में दर्द हो रहा है।' श्रीलंका के असेला गुणरत्ने पहले टेस्ट के दौरान लगी चोट के चलते सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोनम ने BF को दिया बर्थ डे गिफ्ट

बॉलीवुड एक्ट्रैस सोनम कपूर ब्वॉयफ्रैंड आनंद आहूजा के साथ इन दिनों न्यूयॉर्क में छुट्टियां मना रही हैं। सोनम कपूर ने यहां पर कल आनंद आहूजा का बर्थडे भी सैलिब्रेट किया। सोनम ने आनंद को ऐसा गिफ्ट दिया जिसे उन्होंने अब तक का सबसे बेस्ट गिफ्ट करार दिया। सोनम कपूर ने आनंद को ये sports साइकिल गिफ्ट की है जिसे पाकर वो बहुत खुश हैं। आनंद ने अपने इंस्टा पर इसकी वीडियो भी पोस्ट की। इतना ही नहीं सोनम ने जाने माने स्पोर्ट्समैन Nige' Sylvester के साथ आनंद की मीटिंग भी कराई। इसकी कुछ तस्वीरें सोनम ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। आपको बता दें कि सोनम और आनंद अक्सर ही साथ देखे जाते हैं लेकिन दोनों ने कभी भी पब्लिकली अपने रिलेशनशिप को स्वीकार नहीं किया है।

अमिताभ बच्चन की वजह से आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं अनिल कपूर

एक्टर और डायरेक्टर अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने 38 साल के लंबे कैरियर में कभी ब्रेक नहीं लिया। ऐसा उन्होंने मेगा स्टार अमिताभ बच्चन के कहने पर किया। क्योंकि मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने उन्हें कभी भी ऐसी गलती ना करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, अमित जी ने फिल्म 'खुदा गवाह' के बाद पांच साल का ब्रेक लिया था। वह सामान्य जीवन जीने के लिए न्यूयॉर्क चले गए थे। मैं वहां 'मेहरबान' की शूटिंग के लिए गया था। मैं उनसे मिला और उन्हें बताया कि मैं 25 साल तक फिल्मों में काम करने के बाद थक गया हूं और ब्रेक चाहता हूं। अनिल के मुताबिक, अमित जी ने मुझसे कहा, 'जीवन में कभी भी ऐसी गलती मत करना। कभी भी (फिल्मों से) ब्रेक मत लेना।' मैंने अपने 38 साल के लंबे कैरियर में कभी भी ब्रेक नहीं लिया। अनिल ने बताया कि उनकी जिंदगी के शानदार पलों में से एक मंच पर प्रतिष्ठित ऑस्कर (फिल्म 'स्लमडॉग मिलिनेयर' के लिए) लेना था। उन्होंने कहा, दुनियाभर के सभी कलाकार और डायरेक्टर ऑस्कर पाने का सपना देखते हैं। फिल्म में मेरी छोटी सी भूमिका थी। मेरे दिल में यह खुशी ताउम्र रहेगी। उन्होंने फिल्म 'पुकार' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने को भी अपने लिए बेहतरीन पल बताया। अनिल की बेटी सोनम कपूर इस साल की शुरूआत में फिल्म 'नीरजा' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजी गईं थीं। अभिनेता ने कहा कि सोनम को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से पुरस्कार लेते देखना उनके लिए ऑस्कर जीतने से कहीं ज्यादा शानदार पल रहा।

पद्मावती अच्छी मंशा से बनाई गई है शाहिद

शाहिद की आने वाली फिल्म पद्मावती भले ही विवादों में घिरी हो लेकिन अभिनेता शाहिद कपूर का कहना है कि फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है और इसे अच्छी मंशा से बनाया गया है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाली फिल्म को लेकर कुछ संगठनों ने विरोध जताया था। उन्होंने रानी पद्मावती को लेकर तथ्यों से छेड़छाड़ के आरोप में फिल्मकार पर हमला किया और फिल्म के सैट पर भी तोड़-फोड़ की थी। यह पूछे जाने पर कि क्या इस घटना के बाद फिल्म के कुछ दृश्यों में बदलाव किया गया, शाहिद ने बताया कि मेरे हिसाब से मेरे किसी दृश्य में बदलाव नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि फिल्म को लेकर लोगों में काफी कल्पनाएं हैं और लोगों ने यह मान लिया है कि फिल्म में कुछ चीजें हैं।